मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 12 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 15 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 08 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ जल बचाने की मुहिम में जनभागीदारी जरूरी

मानहानि केस में सयानी गुप्ता को अतरिम राहत ◂◂ 6

ब्रिक्स समिट 2026: भारत पहुंचे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दिल्ली में जुटे दुनिया के दिग्गज

राष्ट्रपति शी जिनपिंग को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने किया रिसीव, शाम 5:45 में पीएम मोदी से होगी मुलाकात

दिल्ली में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था सख्त, भारत मंडपम और सेंट्रल दिल्ली के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत की मेजबानी में आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन का आगाज हो रहा है। दो दिवसीय इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में ब्रिक्स देश साझा प्राथमिकताओं, वैश्विक मुद्दों और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस वैश्विक सम्मेलन में विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाले 11 देश शामिल होंगे। इसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, भारत, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके अलावा आउटरीच के लिए आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी सम्मेलन में शामिल होंगे।

ब्रिक्स सम्मेलन 2026 भारत की अध्यक्षता में हो रहा है। इसका थीम है- लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण। वैश्विक कूटनीति के लिहाज से आज का दिन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यहां यह भी जानना महत्वपूर्ण है कि भारत ने एक जनवरी को चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। 2026 में, ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 साल पूरे कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने अलग-अलग जगहों पर जारी संघर्ष, नौवहन की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव-केंद्रित एआई और वैश्विक खाद्य सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। आज से शुरू हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और कई अन्य नेता शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले बड़ा ऐलान, 6 साल बाद फिर शुरू होगी भारत-चीन के बीच सीधी उड़ान

बीजिंग/नई दिल्ली चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे से पहले भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। चाइना सदर्न एयरलाइंस ने छह साल बाद ग्वांगझू-नई दिल्ली के बीच नियमित यात्री उड़ानें फिर शुरू करने का ऐलान किया है। एयरलाइन के मुताबिक, 21 सितंबर से इस मार्ग पर नियमित उड़ान सेवा बहाल कर दी जाएगी।

एयरलाइन ने बताया कि ग्वांगझू-नई दिल्ली सेवा की बहाली के बाद दक्षिण एशिया में उसके आठ राउंड-ट्रिप मार्गों पर कुल संचालन प्रति सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों तक पहुंच जाएगा। ग्वांगझू और नई दिल्ली के बीच हवाई सेवा पिछले छह वर्षों से निलंबित थी।

हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में लगातार सुधार देखने को मिला है। अप्रैल में एयर चाइना ने बीजिंग-दिल्ली सेवा दोबारा शुरू की थी। वहीं, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने 18 अप्रैल को कुनमिंग-कोलकाता के बीच

सीधी उड़ानें फिर से शुरू की थीं।

भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने भी 30 मार्च से कोलकाता-शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ान सेवा शुरू की थी। इससे पहले इंडिगो ने कोलकाता-ग्वांगझू सेवा बहाल की और बाद में दिल्ली से भी ग्वांगझू के लिए उड़ानें शुरू की थीं।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शी चिनफिंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। भारत पहुंचने के बाद शी चिनफिंग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है। ग्वांगझू-दिल्ली उड़ान सेवा की बहाली को ऐसे समय में भारत-चीन संबंधों में सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है, जब दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

आर्थिक झटकों से निपटने को बनना होगा आत्मनिर्भर जयशंकर बोले, चुनौतियों के बीच उम्मीद की किरणें भी

नई दिल्ली: ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया की मौजूदा स्थिति और भारत का पक्ष बेबाकी से रखा। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में वैश्विक राजनीति और आर्थिक व्यवस्थाएं एक बड़े बदलावों और अस्थिरता से गुजर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया कि आज की दुनिया में उतार-चढ़ाव, अनिश्चितता और जटिलता सबसे मुख्य विशेषताएं बन गई हैं। दुनिया भर में हो रहे भू-राजनीतिक संघर्ष, महामारी का असर और मौसम में हो रहे बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स देशों के लिए अधिक आर्थिक गतिविधियों और आर्थिक सुरक्षा का सीधा मतलब अधिक आत्मनिर्भरता है। इसका लक्ष्य बाहरी झटकों को सहने की क्षमता को मजबूत करना है, ताकि दुनिया से जुड़े रहने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा में भी आगे रहा जा सके।

उन्होंने कहा कि एक मजबूत आर्थिक माहौल तैयार करने के लिए निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं, भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स और पारदर्शी निवेश की जरूरत पर बल दिया गया। इसके अलावा, ऊर्जा संकट से निपटने के लिए ऐसे सिस्टम की आवश्यकता है जो झटकों को सह सकें और हर देश की जरूरतों के हिसाब से ढल सकें। विदेश मंत्री ने कहा कि एक तरफ जहां वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ उम्मीद की किरण भी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि तेजी से होता डिजिटलाइजेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रगति विकास, उत्पादकता और वृद्धि के नए रास्ते खोल रही है। जयशंकर ने कहा है कि बदलते वैश्विक माहौल ने एक ऐसा आर्थिक परिदृश्य तैयार कर दिया है, जहां जोखिम और अवसर दोनों ही हर जगह फैले हुए हैं।

हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति केस

जेएसएससी को संशोधित स्टेट वाइज मेरिट लिस्ट प्रस्तुत करने का निर्देश,अगली सुनवाई 26 सितंबर को

संवाददाता

रांची : वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के अध्यक्ष जस्टिस गौतम कुमार चौधरी ने शनिवार को शिक्षक नियुक्ति से जुड़े (स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016) मामले की ऑनलाइन सुनवाई की। इस दौरान फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में जेएसएससी द्वारा बनाई गई विषयवार एवं कोटिवार संशोधित स्टेट वाइज मेरिट लिस्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

मामले में राज्य सरकार की ओर से माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जेएसएससी की ओर से सरकार को उपलब्ध कराए गए डाटा के आधार पर जो नियुक्ति हुई थी उसके संदर्भ में शपथ पत्र दाखिल करने का आग्रह करते हुए दो

सप्ताह समय देने की मांग की। कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 26 सितंबर निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, अधिवक्ता राजेश कुमार एवं अन्य ने ऑनलाइन रूप से कमीशन के समक्ष अपना पक्ष रखा।

दरअसल पिछली सुनवाई में कमीशन ने सभी प्रार्थियों को अपना दावा प्रस्तुत करने के लिए अंतिम मौका दिया था। अपने दावे में प्रार्थियों को कमीशन को यह जानकारी देनी थी कि वे नियुक्ति पाने के लिए किस तरह से योग्य है, उनके कैटेगरी में किस अभ्यर्थी का उनसे कम अंक आया है और वह चयनित हुए हैं, इसका पूरा विवरण एवं प्रार्थी का स्वयं का अंक का भी विवरण देना था।

बता दें कि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने मीना कुमारी समेत अन्य 257 याचिका पर फैसला सुनाते हुए फैक्ट फाइंडिंग कमीशन को 3 माह में जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा था। कमेटी का अध्यक्ष हाईकोर्ट के सेवानिवृत जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को बनाया गया है।

हालांकि जांच रिपोर्ट पेश करने का फैक्ट फाइंडिंग कमीशन का निर्धारित समय पूरा हो गया था, इसके बाद न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने इस समय सीमा को 3 महीने के लिए और बढ़ा दिया है।

थाना प्रभारी के घर में चोरी,5 लाख के जेवरात और नकदी ले उड़े चोर, दो संदिग्ध हिरासत में

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : जिले में चोरों के हौसले बुलंद हैं। रेहला थाना क्षेत्र के तोलरा गांव में शुक्रवार की देर रात चोरों ने पुलिस इंस्पेक्टर सह गढ़वा थाना प्रभारी सुनील तिवारी के पैतृक घर को ही निशाना बना डाला। चोर सीढ़ी के सहारे घर में दाखिल हुए और अलमीरा व बक्सों को तोड़कर करीब 12 हजार रुपये नकद समेत लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए। प्रारंभिक आकलन में चोरी गए सामान की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

बताया गया कि रात करीब तीन बजे चोर सीढ़ी लगाकर घर में घुसे। कमरों में रखी अलमीरा और बक्सों को तोड़ने के बाद सामान बिखेर दिया और नकदी व जेवरात लेकर फरार हो गए। सुबह चोरी का पता चलने पर गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आसपास तलाश शुरू की और दो संदिग्धों को पकड़कर रेहला पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। साथ ही चोरी में शामिल अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छानबीन जारी है। परिवार की ओर से सामानों का पूरा आकलन अभी नहीं किया गया है, इसलिए चोरी की वास्तविक कीमत जांच के बाद स्पष्ट होगी।

रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरूआ ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रजरप्पा मंदिर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश चंद्रशेखर, मां छिन्नमस्तिके का लिया आशीर्वाद

मेट्रो रेज

रजरप्पा (रामगढ़): सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर शनिवार को प्रसिद्ध रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर उन्होंने विधि-विधान के साथ मां छिन्नमस्तिके देवी की पूजा-अर्चना की और मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद उनके चेहरे पर विशेष शांति और आध्यात्मिक संतोष की झलक दिखाई दी।

मंदिर के पुजारी सोनू पंडा, स्वरूप पंडा सहित अन्य पुजारियों ने न्यायाधीश को विधिवत पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान उन्होंने नारियल बलि अर्पित की तथा रक्षा सूत्र भी बंधवाया। पूजा के दौरान उन्होंने देश में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

प्रशासन ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर: न्यायाधीश के रजरप्पा

आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंदिर पहुंचने पर प्रशासन की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं, रजरप्पा मंदिर न्यास समिति की ओर से भी उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

न्यास समिति के अध्यक्ष अशेष पंडा और सचिव शुभाशीष पंडा के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्हें मां छिन्नमस्तिके मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता: सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार मुस्तैद रहे। मंदिर परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर भी विशेष निगरानी रखी गई।

बोले- रजरप्पा की सकारात्मक ऊर्जा अद्वितीय: पूजा-अर्चना के बाद न्यायाधीश चंद्रशेखर ने कुछ समय मंदिर परिसर में बिताया। इस दौरान उन्होंने रजरप्पा की आध्यात्मिकता और वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि रजरप्पा की सकारात्मक ऊर्जा अद्वितीय है।

इस मौके पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश दीपक रोशन, रजिस्ट्रार जनरल सत्य प्रकाश सिन्हा, रामगढ़ के प्रधान न्यायाधीश मो। तौफीकुल हुसैन, कुटुंब न्यायालय के जिला न्यायाधीश राजीव आनंद, शुभेंदु द्विवेदी समेत कई न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक मुकेश लूणायत, डीएफओ नीतीश कुमार, चितरपुर सीओ दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित जिला प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे।

बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही दुनिया, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन बोले, कई देशों में बढ़ा तनाव

नई दिल्ली: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्रिक्स को मजबूत करने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक से पहले ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित किया। पेजेश्कियन ने कहा कि भारत ने इस संगठन के सहयोग को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत सरकार और यहां के लोगों को बैठक की मेजबानी के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की असली ताकत सिर्फ उसके सदस्य देशों की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में नहीं है।

इसकी ताकत तब सामने आएगी, जब ये देश आपस में कारोबार, निवेश और मिलकर वित्त जुटाने का काम बढ़ाएंगे। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है। कई देशों के बीच तनाव बढ़ा है और सामान बनाने व पहुंचाने की व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। उन्होंने अमरीका और इजरायल पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और कड़े प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया।

एसटीजी आउटसोर्सिंग में वाहन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत, आक्रोशितों ने रोका काम

धनबाद : कतरास थाना क्षेत्र के बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया-3 के केलूडीह में संचालित रळऋआउटसोर्सिंग कंपनी में शनिवार को दर्दनाक हादसा हुआ। यहां भारी वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान केलूडीह की बटी बस्ती निवासी 55 वर्षीय मधुसूदन यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कतरास थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल में जुट गई। हादसे की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने माइंस परिसर में कामकाज बाधित कर दिया। घटना की सूचना पर स्थानीय पार्षद मो। शहाबुद्दीन भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।परिजनों और स्थानीय लोगों ने हादसे के लिए परिवहन व्यवस्था में लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि माइंस बस्ती के काफी नजदीक है। ऐसे में भारी वाहनों के परिचालन के दौरान सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। लोगों ने माइंस परिसर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन से जुड़े साइन बोर्ड, चेतावनी संकेत और अन्य आवश्यक इंतजाम करने की मांग की है

गिरिडीह जिले में 30 हाथियों का आतंक, शाम होते ही गांवों में बोला धावा, रौंदी फसल

संवाददाता

गिरीडीहः जिले के पीरटांड़ प्रखंड की कुम्हरलालो और पालगंज पंचायत के विभिन्न गांवों में करीब 30 हाथियों का झुंड लगातार भारी उत्पात मचा रहा है। हाथियों के इस दल ने खेतों में लगी धान की फसल को रौंदकर किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। दिन के समय हाथियों का दल जंगल की ओर चला जाता है, लेकिन शाम होते ही बस्तियों में पहुंचकर तबाही मचाता है। इसके चलते क्षेत्र के ग्रामीण भय और दहशत के माहौल में रात बिताने को विवश हैं।

तीन-चार समूहों में बंटे हाथीः ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का यह झुंड तीन से चार समूहों में विभाजित हो जाता है। अलग-अलग दिशाओं में हाथियों के निकल जाने से वन विभाग की टीम को उन्हें खदेड़ने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वनकर्मी जब एक स्थान से हाथियों को जंगल की तरफ भगाते हैं, तभी दूसरे मोहल्ले या टोले में उनके पहुंचने की खबर मिल जाती है। इसके बाद वन विभाग को तुरंत उस नए इलाके में पहुंचना पड़ता है।

ग्रामीणों की मशाल से तैयारीः हाथियों के बार-बार हमला करने से ग्रामीणों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हुई है। ग्रामीण सुबह होते ही रात के लिए मशाल तैयार करने, पटाखों का प्रबंध करने और टॉर्च जैसी रोशनी की व्यवस्था करने में जुट जाते हैं। ग्रामीणों को हर पल यह चिंता सताती है कि रात में हाथियों का झुंड किस दिशा से आकर हमला कर दे। शाम होते ही लोग अपने घरों के पास चौकन्ने हो जाते हैं। हाथियों के डर से लोग शाम के बाद घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

लंबे ठहराव से बढ़ी चिंताः ग्रामीणों के मुताबिक पीरटांड़ के इन क्षेत्रों से हाथियों का दल वर्षों से गुजरता रहा है। आमतौर पर हाथी कुछ समय बाद अन्य जंगलों की ओर चले जाते थे, लेकिन इस बार हाथियों का झुंड लंबे समय से कुम्हरलालो और पालगंज पंचायत के आसपास ही ठहरा हुआ है। पूर्व में भी हाथियों के हमलों में कई लोगों की जान जा चुकी है। ग्रामीणों ने कहा कि केवल खदेड़ने से समस्या नहीं सुलझेगी। उन्होंने वन विभाग तथा प्रशासन से हाथियों को रोकने की ठोस योजना बनाने, प्रवेश को रोकने और फसल नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने पलटा फैमिली कोर्ट का आदेश

मां को मिली साढ़े चार साल की बेटी की अंतरिम कस्टडी

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने अहम फैसले में हजारीबाग फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें करीब साढ़े चार साल की मासूम बच्ची की अंतरिम कस्टडी मां को सौंपने से मना कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब तक मुख्य अभिभावकता याचिका पर अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक बच्ची की अंतरिम कस्टडी मां के पास ही रहेगी। बच्ची के पिता को मिलने-जुलने का अधिकार प्राप्त रहेगा। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ ने बच्चे के हित को सर्वोपरि करार दिया। उच्च न्यायालय ने समीक्षा में पाया कि हजारीबाग फैमिली कोर्ट ने अंतरिम कस्टडी की मूल मांग पर विचार करने के बजाय केवल मुलाकात के अधिकार पर फैसला सुना दिया था। खंडपीठ ने इस व्यवस्था को कानूनी प्रक्रिया के प्रतिकूल और गंभीर त्रुटि मानते हुए निरस्त कर दिया। अदालत ने कहा कि अभिभावकता से जुड़े किसी भी विवाद में माता-पिता के आपसी अधिकारों से बढ़कर बच्चे का कल्याण और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता होती है।

सहायक प्राध्यापक दंपती की कानूनी लड़ाईः यह पूरा मामला विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में कार्यरत दो सहायक प्राध्यापकों के बीच बढ़ा विवाद है। सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता विश्वकर्मा और सहायक प्राध्यापक राहुल रंजन का विवाह 16 मई, 2017 को हुआ था। बाद में 8 मार्च, 2022 को आईवीएफ तकनीक के माध्यम से उनकी पुत्री एकांशी शर्मा का जन्म हुआ। दंपती के बीच मतभेद गहराने के बाद बच्ची को अपने पास रखने के लिए कानूनी संघर्ष शुरू हो गया। मां का आरोप था कि पति ने बच्ची को अपने पास रखकर उसे अपनी बेटी से मिलने तक नहीं दिया। हालांकि पति ने अदालत के समक्ष सभी आरोपों को गलत बताया।

मुरी- गोला सिंगपुर रोड की हालत दयनीय, सीओ को सौंपा ज्ञापन

मुरीः झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सिल्ली प्रखण्ड सचिव सह प्रभारी कृष्णा महतो के साथ तारकेश्वर महतो, दिनेश महतो,विनोद महतो, घासीराम महतो, रामाकांत,आदि दर्जनों लोग हस्ताक्षर कर सीओ को मुरी गोला सिंगपुर रोड़ के जर्जर हालत को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि भिखारी चौक से उरंगढा नदी तट तक बडे. छोटे बाहन को चलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है, हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। बीते दिन इसी रोड पर एक मोटरसाइकिल सवार दुर्घटना के शिकार हुए हैं। आए दिन पैदल राहगीर हो या वाहन चालक सड़क की दुर्दशा के चलते दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। जगह- जगह बडे-बडे.गड्ढे में बरसात के पानी जमने से वाहन या पैदल चलने वाले को अंदाज लगाना मुश्किल होता है कि किधर से चले। सड़क बनाने वाली कंपनी ने साल भर पहले सड़क निर्माध कार्य को अधूरा कर छोड़ दिया है। जिसके कारण यह हालत पैदा हो गई है। मोर्चा के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आन्दोलन पर उतरेंगे।

मोदी डीह में आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

मुरीः मोदी डीह में आंगन बाडी केंद्र की मरम्मती और सौन्दर्यीकरण पूर्ण होने पर हिण्डालको के एचआर के हाथों से फीता काट कर उद्घाटन किया गया ,साथ ही सरना समिति के सदस्यों को वाद्य यंत्र मुखिया लालू राम उरांव और उसकी पत्नी के हाथों के माध्यम से सौंपा गया। इस मौके पर आंगनबाड़ी सेविका प्रमिला मंच, सहायिका प्रभा धान, सुनन्दा अग्रवाल समेत काफी संख्या में गाँव के लोग उपस्थित थे।

रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति व महिला दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक आम बैठक कल

मुरीः महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति ने आजीवन मुख्य संरक्षक डॉ अजीत सहाय की अगुवाई में रांची महानगर के बैनर तले अनुषंगी इकाई रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति एवं महिला दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक आम बैठक13 सितंबर दिन रविवार समय पूर्वाह्न 11:00 बजे दिन से राँची कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब के सभागार में रखी गयी है। बैठक की पुष्टि रवींद्र वर्मा महामंत्री राँची महानगर दुर्गा पूजा समिति ने करते हुए बताया कि इस बैठक में रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति के साथ ही राँची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति से जुड़े हुए सभी 18 प्रखंडों के पूजा समितियों एवं पदाधिकारियों से आग्रह है कि राँची महानगर के इस बैठक में उपस्थित होकर राँची ग्रामीण क्षेत्रों से अपने विचारों से महानगर पूजा समिति को अवगत कराकर वर्ष 2026 के श्री दुर्गा पूजा आयोजन की रूप रेखा से अवगत कराते हुए राँची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के नई कार्यकारिणी को बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इसे सफल बनाएं।

हिंडाल्को में अनिश्चितकालीन धरना 28 को

मुरीः 20 सूत्री मांगों पर 15 दिनों की बातचीत में लिखित समझौते की मांग। समाधान नहीं होने पर 28 सितंबर को मुरी हिंडाल्को में अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा । क्षेत्र की स्थायी एवं अस्थायी श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं प्राक्कलन समिति के सदस्य अमित कुमार ने हिंडाल्को मुरी के कारखाना प्रबंधक को पत्र भेजकर तत्काल समाधन की मांग की। विधायक ने पत्र में कहा कि श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा उन्हे कई गंभीर समस्याओं से अवगत कराया गया। इनमें स्थायी प्रकृति के वर्षो से काम में लगे समान काम के लिए वेतन ना देना, ग्रेच्युटी, वैधानिक छुट्टियो का लाभ न मिलना इसके अलावा विधायक ने स्थायी श्रमिकों के श्रम सचं को मान्यता देने में टालमटोल करना, अस्थायी श्रमिकों के मागं पत्र चुप्पी साधे रहना, अनुकपां रोजगार बदं करने, ठेका श्रमिक के अस्थायी श्रमिकों को काम से बाहर करने अधिकारो के लिए अवाज उठाने, कथित स्थानांतरण उत्पीड़न जैसे मामलो को भी शामिल किया है। विधायक ने वषो से कार्यरत अस्थायी श्रमिकों को रोजगार की गारंटी स्थानीय यूवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार मे प्राथमिकता स्थायी एवं अस्थायी कमियो के बीच समझौता रसायनिक कारखानो मे श्रमिको बिशेष सुविधा कार्य विवरण में एवं वेतनमान पूरा विवरण उपलब्ध कराने की मांग की है । उन्होंने 15 दिनों के अंदर सकारात्मक निर्णय की मांग की है नहीं तो 28 सितम्बर को हिंडाल्को में धरना-और तालाबंदी की जाएगी।

अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बने राजेश सिंह, गर्म जोशी के साथ हुआ स्वागत

- राजेश सिंह की लगनशीलता, नेतृत्व क्षमता व कार्य कुशलता का सवर्ण समाज को मिलेगा लाभः सुनील सिंह
- मोर्चा ने की जिस आशा, विश्वास और उम्मीद के साथ झारखंड प्रदेश की बागडोर मुझे सौंपी है, उस पर मैं खरा उतरने का भरपूर प्रयास करूंगा: राजेश सिंह

मेट्रो रेज

रांचीः अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष के रूप में राजेश सिंह की नियुक्ति पर शुक्रवार को बिरसा चौक, स्टेशन रोड स्थित होटल पार्क इन रांची में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का मोर्चा के पदाधिकारियों एवं सवर्ण समाज के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। इस दौरान उन्हें पाग पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, फूल माला एवं गुलदस्ता भेंट किया गया। मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने राजेश सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनकी लगनशीलता, नेतृत्व क्षमता, कार्य कुशलता, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए केंद्रीय कमेटी ने उन्हें झारखंड प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि राजेश सिंह के अनुभव और सक्रिय नेतृत्व से संगठन को नई मजबूती मिलेगी, तथा सवर्ण समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने में मदद मिलेगी। झारखंड प्रदेश मुख्य संरक्षक रामेश्वर दयाल सिंह ने भी राजेश सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह ने दूरभाष पर राजेश सिंह से बातचीत कर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे झारखंड में संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह ने सम्मान के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया, तथा सवर्ण समाज से आए हुए सम्मानित जनों को अपनी ओर से अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कमेटी ने जिस आशा, विश्वास और उम्मीद के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने के लिए वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। समारोह में उपस्थित लोगों ने राजेश सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान सूर्यमणि सिंह, भोला झा, रंजन झा, गुंजन झा, विकास सिंह, धनंजय सिंह, रवि कुमार सिंह, धर्मवीर, छोटू सिंह, मनोज मिश्रा, कमल ठाकुर, विशाल सिंह, पिंटू कुमार सिंह, सुशील सिंह,संतोष सिंह, सच्चिदानन्द तिवारी,राज सिंह,अंश कुमार, अभिषेक मिश्रा, अशोक दुबे, सुशील दुबे, शिव शंकर शर्मा, यश सिंह परमार, रेनू दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ गूगल मीट के माध्यम से बैठक ,फजीर्वाड़े पर सख्त निर्दश

चतराः मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर आज चतरा जिले के प्रज्ञा केंद्र एवं सीएससी संचालकों के साथ गूगल मीट के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, झारखण्ड, राँची एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद के निदेशानुसार किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप निर्वाचन पदाधिकारी रवींद्र कुमार द्वारा की गई। बैठक में एसआईआर के तहत ऑनलाइन आवेदन एवं दस्तावेजों के सत्यापन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संचालकों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। उप निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर दस्तावेजों से छेड़छाड़, फजीर्वाड़ा अथवा गलत दस्तावेज को वैध दर्शाकर ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति नहीं होगी।

वर्ष 2003 की मतदाता सूची से छेड़छाड़ पर रोकः बैठक में वर्ष 2003 की मतदाता सूची के संबंध में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया। संचालकों को निर्देशित किया गया कि उपलब्ध अभिलेखों का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशो के अनुरूप ही किया जाए तथा मतदाता सूची में किसी प्रकार का अनधिकृत संशोधन, छेड़छाड़ अथवा फजीर्वाड़ा न किया जाए। संदिग्ध एवं फर्जी दस्तावेजों पर होगी कार्रवाईः अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी विदेशी नागरिक का नाम अथवा किसी फर्जी व्यक्ति के दस्तावेज को गलत तरीके से शामिल नहीं किया जाए। यदि किसी आवेदक या उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज संदिग्ध अथवा फर्जी प्रतीत होते हैं, तो ऐसे आवेदन को ऑनलाइन दर्ज नहीं किया जाएगा तथा इसकी सूचना तत्काल संबंधित पदाधिकारी को दी जाएगी।

खतियान एवं वंशावली के सत्यापन पर जोरः एसआईआर के अंतर्गत खतियान के साथ वंशावली अथवा पारिवारिक सूची संलग्न होने की स्थिति में संबंधित अंचल अधिकारी द्वारा सत्यापन किए जाने के पश्चात ही आवेदन को ऑनलाइन करने का निर्देश दिया गया। संचालकों को दस्तावेजों की जांच में पूरी सावधानी एवं निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। अनियमितता पाए जाने पर होगी कानूनी कार्रवाईः बैठक में सभी प्रज्ञा केंद्र एवं अन्य संबंधित केंद्र संचालकों को निर्देश दिया गया कि वे उपर्युक्त सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर अनियमितता, फर्जीवाड़ा अथवा निर्वाचन संबंधी निदेर्शों की अवहेलना में संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध बीएनएस के प्रावधानों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, चतरा एवं सीएससी जिला प्रबंधक, चतरा द्वारा दिए गए आवश्यक निर्देशों तथा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेर्शों का भी सावधानीपूर्वक एवं अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी कौस्तव सरकार, जिले के सीएससी मैनेजर प्रेम प्रताप सिंह,विभिन्न प्रज्ञा केंद्र संचालक समेत अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

प्रतापपुर में चोर बेखौफ, पुलिसिया गश्ती पर उठे सवाल

राशन दुकान से लेकर रिहाइशी मकान तक, चोरों का आतंक बरकरार

संवाददाता

चतराः जिले के प्रतापपुर में इन दिनों चोरों ने पुलिस की नाक में दम कर रखा है। रात भर गश्ती का दावा करने वाली पुलिस को धता बताते हुए, बेखौफ चोर धड़ल्ले से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस की कार्यशैली और रात की गश्ती टीम की पोल खोलते हुए, चोर अब थाना और मुख्यालय के आसपास के इलाकों में भी सेंधमारी कर रहे हैं। प्रतापपुर बाजार से लेकर कस्तूरबा आवासीय विद्यालय तक, हर जगह चोरों का खौफ है। प्रतापपुर में चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे रिहाइशी मकानों में

सो रहे परिवारों को भी नहीं बख्श रहे हैं। बीती रात कस्तूरबा विद्यालय के ठीक सामने जितेंद्र साव की राशन और श्रृंगार दुकान से चोरों ने करीब दस हजार रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इससे एक दिन पहले, 10 सितंबर की मध्य रात्रि लाला टोली मोहल्ले में शिक्षक संजीत कुमार के घर से चोरों ने लाखों रुपये के आभूषण और 25 हजार नकद उड़ा लिए। गनीमत रही कि शोर सुनकर शिक्षक लाठी लेकर बाहर निकले, उसी वक्त पुलिस गश्ती दल वहां से गुजरा, लेकिन चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी का कहना है कि रोज चार गश्ती टीमें इलाके में रहती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। हालांकि पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है, साथ ही चोरों को सख्त चेतावनी भी दी गई है। इन लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यावसायिक संघ और आम जनता में भारी आक्रोश है। पुलिस गश्ती के दावों के बीच हो रही ये वारदातें, प्रशासन की मुस्तैदी पर बड़ा सवालिया निशान लगा रही हैं। क्या प्रतापपुर पुलिस केवल कागजों पर गश्ती कर रही है? अब देखना यह है कि पुलिस इन शातिर चोरों को कब तक सलाखों के पीछे पहुंचा पाती है, या प्रतापपुर की जनता इसी तरह खौफ के साये में जीने को मजबूर रहेगी।

गैस नहीं मिलने से उपभोक्ताओं में आक्रोश

मुरीः सिल्ली- मुरी के गैस उपभोक्ताओं को गैस गोदाम जाने के बाद भी गैस नहीं मिलने से वे काफी आक्रोशित हुए, ओर इसी आक्रोश में सिल्ली थाना पहुँच गए । जहां पर गैस उपभोक्ताओं ने थाना में अपनी समस्याएं रखी। गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि नंबर लगने के बाद भी गैस संचालक लोगों को दौड़ाते रहते हैं । गैस डिलीवरी करने वाले लड़के टेम्पो में गैस लोड करने के बाद भी कोई ना कोई बाहना कर गैस नहीं देते हैं, जबकि यही गैस एक डिलीवरी लड़का कालाबाजारी करने के लिए सुबह- सुबह दुकानों में गैस देने आ जाता है। इसी कालाबाजारी के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी होती है। काफी संख्या में ऐसे गैस उपभोक्ता सिल्ली थाना पहुंचे जिन लोगों को घर में गैस देने का ऑडर है, जबकि गैस गोदाम में काफी भीड़ रहती है ।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ग्रिजली विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

9 स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई, विद्यालय को मिले कुल 18 पदक

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के विद्यार्थियों ने 12वीं कैडेट क्योरुगी एवं 26वीं सीनियर क्योरुगी राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए कुल 18 पदक प्राप्त किए। इनमें 9 स्वर्ण एवं 9 रजत पदक शामिल हैं। विशेष उपलब्धि यह रही कि सभी स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता का आयोजन सरवमंगला पब्लिक स्कूल, तेलतुलमारी, धनबाद में किया

गया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्र शागिब मुस्तक, छात्र ऋषव कुमार, छात्र मोहित जौनपॉल नायक, छात्र यश राज, छात्र उज्ज्वल कुमार रॉय, छात्र सिद्धार्थ अर्नव, छात्र विपुल कुमार, छात्र प्रतीक कुमार नायक एवं छात्र आदर्श सिंह शामिल हैं। वहीं, रजत पदक जीतने वाले विद्यार्थियों में छात्र शिवम कुमार यादव, छात्र मनीष साही, छात्र आदित्य राज, छात्र आयुष कुमार, छात्र अभिनव कुमार, छात्र मृदुल महतो, छात्र आर्यन पांडेय, छात्र अमृत राज एवं छात्रा राया राज शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान तकनीकी दक्षता, अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। विद्यार्थियों की इस सफलता में ताइक्वांडो प्रशिक्षक दिलीप कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके कुशल प्रशिक्षण, निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त रूप से सभी पदक विजेता विद्यार्थियों, प्रशिक्षक एवं मैनेजर को बधाई देते हुए कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 18 पदक प्राप्त करना तथा 9 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, नियमित अभ्यास, अनुशासन एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, धैर्य एवं चुनौतियों का सामना करने का साहस विकसित करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे।

उपद्रवियों ने घर के सामने खड़ी कार का पिछला शीशा फोड़ा

चतराः वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के जोरी में बदमाशों के हौसले बुलंद होने का मामला सामने आया है। अज्ञात लोगों ने घर के सामने खड़ी एक व्यवसायी की कार पर पथराव कर उसका पिछला शीशा तोड़ दिया। सुबह कार की हालत देखकर परिजनों को घटना की जानकारी हुई।जानकारी के अनुसार, जोरी मेन बाजार निवासी व्यवसायी सुबोध सिंह की ट्रिबर कार रोज की तरह घर के सामने पार्किंग में खड़ी थी। सुबह जब परिजनों की नजर कार पर पड़ी तो पीछे का शीशा पूरी तरह टूटा हुआ था। कार के अंदर स्प्राइट की एक कांच की बोतल भी मिली।घटना की सूचना मिलने पर जोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित व्यवसायी सुबोध सिंह ने बताया कि उनकी जोरी मेन बाजार में हार्डवेयर की दुकान है। वह रोज की तरह शाम को दुकान बंद कर घर लौटे थे और कार को घर के सामने खड़ा किया था। रात में किसी समय अज्ञात लोगों ने कार पर पत्थर मारकर उसका शीशा तोड़ दिया।पीड़ित ने घटना को लेकर क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने आसपास शराबियों के जमावड़े पर भी रोक लगाने की मांग की है। उनका आशंका है कि शराब के नशे में असामाजिक तत्वों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया होगा। हालांकि, घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या है और कार का शीशा किसने तोड़ा, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामला दर्ज करा ली गई है,पुलिस आसपास लगे कैमरों और अन्य संभावित सुरागों की भी पड़ताल कर रही है।

ट्यूलिप हॉस्पिटल में मरीज-परिजनों से कथित मारपीट मामले की जांच शुरू

सिविल सर्जन के नेतृत्व में पहुंची टीम, मारपीट मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ मंत्री ने जांच का दिया था आदेश

गुलाम शाहिद

रांची: राजधानी रांची के रिंग रोड स्थित ट्यूलिप हॉस्पिटल में बीते दिनों मरीज के परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच हुई मारपीट मामले को लेकर जांच कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। जांच कमेटी आज शनिवार को ट्यूलिप हॉस्पिटल पहुंची। वहीं रांची सिविल सर्जन डॉ अमरेंद्र प्रसाद भी ट्यूलिप हॉस्पिटल पहुंचे। सिविल सर्जन के नेतृत्व में टीम ट्यूलिप हॉस्पिटल की जांच कर रही है। साथ ही पूरी घटना की जानकारी ले रही है।

नियमों का उल्लंघन मिला तो जुर्माने के साथ अस्पताल सील करने की चेतावनीः शहर के ट्यूलिप हॉस्पिटल में मरीजों और उनके परिजनों के साथ कथित मारपीट के मामले को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने गंभीरता से लिया है। मंत्री ने मामले की तत्काल जांच कराने का आदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जांच में अस्पताल प्रबंधन की ओर से नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जुर्माने के साथ अस्पताल को सील करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि किसी भी निजी अस्पताल को मरीजों और उनके परिजनों के साथ मनमानी करने की छूट नहीं दी जा सकती। अस्पतालों में इलाज कराने आने वाले मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों या उनके परिजनों के साथ दुर्व्यवहार अथवा मारपीट किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष और तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग की जांच पर अब सबकी नजर है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है।

निजी अस्पताल में मरीज के परिजनों से मारपीट की घटना निंदनीय : सुशील यादव

निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक लगाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

संजय कुमार यादव

लातेहार: रांची के ट्यूलिप हॉस्पिटल में दो दिन पूर्व लातेहार जिले के चंदवा क्षेत्र से इलाज कराने पहुंचे मरीज के परिजनों के साथ कथित मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना को झामुमो के लातेहार जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव ने निंदनीय बताया है। उन्होंने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

सुशील यादव ने कहा कि लातेहार जैसे सुदूरवर्ती जिले से लोग बेहतर इलाज की उम्मीद में रांची के निजी अस्पतालों का रुख करते हैं। सड़क दुर्घटना में घायल मरीज को गंभीर स्थिति में रांची लाने वाले परिजनों की प्राथमिकता मरीज की जान बचाना होती है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों से संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने कहा कि सामने आए मामले के अनुसार मरीज के परिजनों को शुरूआत में ऑपरेशन और इलाज के खर्च की जानकारी दी गयी थी। इसके बाद मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि भर्ती के बाद इलाज का खर्च बढ़ता गया और लाखों रुपये का बिल सामने रखा गया। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार द्वारा खर्च वहन करने में असमर्थता जताने और मरीज को सरकारी अस्पताल ले जाने की बात कहने पर कथित रूप से अस्पताल कर्मचारियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार का आरोप गंभीरः झामुमो जिला प्रवक्ता ने कहा कि आर्थिक परेशानी के कारण इलाज दूसरे अस्पताल में कराने की इच्छा जताना किसी परिवार का अधिकार है। इसके लिए किसी मरीज के परिजन के साथ अभद्र भाषा, धमकी या मारपीट किया जाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि घटना में महिलाओं के साथ भी कथित दुर्व्यवहार और मारपीट की बात सामने आ रही है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि मानव जीवन से जुड़ी संवेदनशील जिम्मेदारी है। निजी अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के साथ सम्मानजनक व्यवहार तथा इलाज और बिलिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

निजी अस्पतालों की निगरानी की मांगः सुशील यादव ने स्वास्थ्य विभाग से रांची के निजी अस्पतालों में इलाज, बिलिंग व्यवस्था और मरीजों के परिजनों के साथ व्यवहार की नियमित निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य के दूर-दराज के इलाकों से इलाज के लिए रांची आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए।

उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी गरीब मरीज या उसके परिजन के साथ ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

सुशील कुमार यादव ने कहा कि हमारी सरकार इस प्रकार की किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी। गरीब और कमजोर परिवारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार तथा पारदर्शी चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है।

त्योहार और क्रिकेट मैच में नहीं लगेगा जाम, ट्रैफिक पुलिस ने कसी कमर

रांची: आने वाले त्योहारों और क्रिकेट मैच के दौरान शहर की सड़कों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जाम से निपटने के साथ-साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की रणनीति तैयार की गयी।

बैठक में तय किया गया कि प्रमुख चौक-चौराहों और ट्रैफिक पोस्ट के आसपास यातायात व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जायेगी। लेफ्ट फ्री रास्ते में वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। चौक-चौराहों पर गलत तरीके से वाहन पार्क करने वालों को भी नहीं बख्शा जायेगा। ऑटो और टोटो चालकों के लिए निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य होगा। चालकों को यूनिफॉर्म पहनना होगा। यातायात पुलिस नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर कार्रवाई करेगी। त्योहारों और मैच के दौरान ऑटो-टोटो की आवाजाही पर भी नजर रखी जायेगी, ताकि प्रमुख मार्गों पर अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। वाहनों की नंबर प्लेट पर टेप लगाकर नंबर छिपाने या नंबर को गलत तरीके से लिखने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जायेगा। ट्रैफिक पुलिस ऐसे वाहनों की जांच कर नियम के अनुसार कार्रवाई करेगी। पुलिस का जोर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के साथ सड़क पर अनुशासन कायम करने पर रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार या क्रिकेट मैच के दौरान भीड़ बढ़ने के बावजूद यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई में ढिलाई नहीं बरती जायेगी।

यूपीआई के बाद एआई से बदलेगा डिजिटल वित्त का स्वरूप

रांची: ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 में एनपीसीआई के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि भविष्य की वित्तीय व्यवस्था अधिक बुद्धिमान, मजबूत और समावेशी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूपीआई को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिला है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर 24.5 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनका मूल्य 29.8 लाख करोड़ रुपये रहा। चौधरी ने कहा कि यूपीआई अब रोजमर्रा की जिंदगी का महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचा बन चुका है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–राधा सोनी, उम्र–15 वर्ष, उँचाई–4 फीट 6 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–हरा रंग का सलवार सूट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की राधा सोनी, उम्र–15 वर्ष, पिता–कन्हैया सोनी, पता–चाँदनी चौक, हटिया, वर्तमान पता–पटेल नगर, रोड नं0–05, हटिया, थाना–जगरनाथपुर, जिला–राँची जो दिनांक–30.08.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0–260/2026, दिनांक–03.09.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। – 9431706143
थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, राँची। – 9431706169
आवेदक कन्हैया सोनी। – 8271021915

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 389532 Police(26-27)#D

जामा मस्जिद परिसर में पौधरोपण

मौलाना अलकमा शिब्ली कादरी ने पौधा लगाकर की अभियान की शुरूआत, औषधीय व फलदार पौधे लगाए

संवाददाता

रांची: पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने और लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जामा मस्जिद डोरंडा परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। जामा मस्जिद डोरंडा कमेटी और लहू बोलेगा रक्तदान संगठन, रांची के संयुक्त तत्वावधान में जुमा की नमाज के बाद आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व डोरंडा ईदगाह एवं जामा मस्जिद के इमाम, खतीब व सज्जादानशीन हजरत मौलाना अल्हाज सैय्यद शाह अलकमा शिब्ली कादरी ने किया।

मौलाना अलकमा शिब्ली कादरी ने स्वयं पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान नीम, बेर, जामुन, आम, अर्जुन, आंवला, अमरूद और गुलमोहर समेत कई औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पौधा लगाना पहला कदम है। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। मौके पर डोरंडा जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अधिवक्ता कैसर आलम, लहू बोलेगा रक्तदान संगठन के रक्तवीर नदीम खान, इंजीनियर अब्बास, मो बब्बर, मो नवाब, समाजसेवी असफर खान, मो। इम्तियाज सोनू, मस्जिद के मुअज्जिन समेत मस्जिद कमेटी के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। उपस्थित लोगों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

झारखंड चेंबर चुनाव : 21 पदों के लिए 65 उम्मीदवार मैदान में , मतदान कल

रांची : झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स का एनुअल जनरल मीटिंग आज शनिवार को संपन्न हुआ। बैठक में मौजूदा कमेटी अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने अपनी टीम की वार्षिक रिपोर्ट पटल पर रखी। एनुअल जनरल मीटिंग में तीन रीजनल कमेटी उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। कल रविवार को मारवाड़ी भवन में सुबह 9:00 बजे से चेंबर चुनाव होगा। वहीं परिणाम कल 7:30 बजे तक आ जाएंगे। बताते चलें कुल 65 कार्यकारिणी सदस्यों ने 21 पदों के लिए पर्चा भरा है। कुल तीन टीम मैदान में हैं।

कुज्जरूम और लाटू के ग्रामीणों के पुनर्वास पर बैठक

पुनर्वास स्थल पर सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा करें सुनिश्चित : उपायुक्त

संवाददाता

लातेहार: समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में पलामू टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में स्थित कुजरूम और लाटू गांव के ग्रामीणों के पुनर्वास को लेकर बैठक हुई। बैठक में समीपवर्ती गांवों के ग्राम प्रधान और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान सरयू प्रखंड की चोरहा पंचायत के लाई और पइलापत्थर गांव में प्रस्तावित पुनर्वास स्थल पर मूलभूत सुविधाओं के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। उपायुक्त ने कहा कि पुनर्वास की प्रक्रिया संवेदनशील विषय है। इसमें ग्रामीणों की जरूरतों और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रस्तावित पुनर्वास स्थल पर सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाये। प्रशासन के साथ सहयोग की अपीलः बैठक में उपायुक्त ने ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों से पुनर्वास प्रक्रिया में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपत्ति हो, तो उसे प्रशासन के समक्ष रखा जाये, ताकि नियमानुसार उसका समाधान किया जा सके। उन्होंने सभी से शांति और सौहार्द बनाये रखने की अपील की। बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों से प्रस्तावित पुनर्वास स्थल और आसपास के क्षेत्रों को लेकर सुझाव भी लिये गये। प्राप्त सुझावों और आवश्यकताओं के अनुरूप संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पइलापत्थर गांव के ग्राम प्रधान उपस्थित नहीं थे। मौके पर उप निदेशक पलामू व्याघ्र परियोजना, उत्तरी प्रमंडल कोर एरिया कुमार आशीष, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, महुआडांड़ एसडीओ सुलेमान मुण्डरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, महुआडांड़ एसडीपीओ, गारू और सरयू के बीडीओ, गारू के सीओ, सांसद प्रतिनिधि विवेकानंद गुप्ता, मनिका विधायक प्रतिनिधि सुनील प्रसाद, संबंधित प्रखंड प्रमुख और ग्राम प्रधान मौजूद थे।

वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति की बैठक में तृतीय महाधिवेशन की तैयारी की समीक्षा

कई कार्यक्रमों की हुई घोषणा,चेंबर चुनाव में टीम मुकेश अग्रवाल को जिताने की अपील

मेट्रो रेज

रांची: आज रांची के रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार ने की। यह बैठक 30-31 अक्टूबर को कांके में होने वाले तृतीय महाधिवेशन की तैयारी की समीक्षा, जिला समितियों का गठन एवं सदस्यता अभियान के मुद्दे को लेकर रखी गयी थी।

सर्वप्रथम केंद्रीय तैयारी समिति के संयोजक हीरानाथ साहु ने महाधिवेशन की तैयारी के संबंध में अपनी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बाबत केंद्रीय तैयारी समिति की अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं और सभी सदस्यों को आगे का कार्य भार दिया गया है। तत्पश्चात केंद्रीय पदाधिकारियों का सुझाव आया कि महाधिवेशन की तैयारी को गांव स्तर तक ले जाने की जरूरत है। ताकि सरकार और प्रशासन को अपने मुद्दों पर संज्ञान लेने के लिए बाध्य किया जा सके।

बैठक में काफी विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से तय किया गया कि 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह के जयंती पर सभी प्रखंडों एवं प्रमुख क्षेत्रों में बैठक का आयोजन किया जायेगा और महाधिवेशन की मुक्कमल तैयारी का संकल्प लिया जायेगा। जबकि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी के जयंती पर रामगढ़ दामोदर नदी घाट स्थित गांधी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रामगढ़ थाना चौक, भुरकुंडा, गांधी नगर पतरातू थर्मल, कांके एवं मोरहाबादी मैदान (रांची) में स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी।

फिर 12 अक्टूबर को डॉ राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर रांची में केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों एवं तैयारी समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा।

बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर 13 सितंबर को होने वाले झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में सदस्यों- मतदाताओं से टीम मुकेश अग्रवाल को समर्थन करने और भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की गयी।

बैठक के अंत में झारखंड के मंत्री सुदीप्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष रामसेवक प्रसाद, केंद्रीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर साहु, लक्ष्मण साहु, परशुराम प्रसाद, उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, उपेन्द्र प्रसाद, केंद्रीय महासचिव चतुर साहु, संगठन महासचिव जगदीश साहु, कृष्णा साहु केशरी, अनिल वैश्य, मुख्य प्रवक्ता रोहित कुमार साहु, केंद्रीय सचिव राजेंद्र साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, केंद्रीय सदस्य मुकेशलाल सिंदूरिया, विश्वामित्र गुप्ता 'बाचल', पवन कुमार, जिलाध्यक्ष महेंद्र प्र। साहु, महासचिव बिंदु देवी (हजारीबाग), कृष्णदेव साहु (रांची), राजकुमार केशरी (रामगढ़), युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, आदित्य पोद्दार, रुद्र प्रताप साहु आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(खेल शाखा)

सूचना

PAY & PLAYscheme (पे एंड प्ले योजना के तहत पंजीकरण)

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि खूँटी जिला के खेल प्रेमियों, युवाओं और उभरते खिलाड़ियों को इण्डोर बैडमिंटन स्टेडियम में पे एंड प्ले योजना के तहत बैडमिंटन अभ्यास हेतु पंजीकरण आमंत्रित किए जाते हैं।

➤ **पात्रता एवं विशेष छुट (Eligibility & fee Exemptions)**
1) स्थानीय निवासी : आवेदक खूँटी जिले के निवासी और खेल में रूचि रखने वाले होना चाहिए।
2) उत्कृष्ट खिलाड़ी : राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को मासिक शुल्क व वार्षिक शुल्क में छुट दी जायेगी।
➤ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को निःशुल्क अभ्यास का अवसर दिया जायेगा।
➤ **पंजीकरण प्रक्रिया :–**
1) जिला खेल कार्यालय, समाहरणालय, खूँटी में फॉर्म भर कर पंजीयन शुल्क जमा करें।
2) बैडमिंटन अभ्यास के लिए उपलब्ध स्लॉट और समय (morning / Evening batch) की जानकारी जिला खेल कार्यालय, खूँटी द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
3) इस सत्र केवल 50 खिलाड़ी अथवा व्यक्ति का ही पंजीयन किया जाना है।
➤ **आवश्यक दस्तावेज :–**
1) दो पासपोर्ट साइज फोटो
2) आधार कार्ड
3) फिटनेश प्रमाण पत्र
➤ **शुल्क संरचना (fee structure)**
1. पंजीकरण शुल्क (Registration fee) :–रू 100/–
2. मासिक शुल्क (monthly fee)
सामान्य व्यक्ति हेतु :–रू 500/–
उत्कृष्ट खिलाड़ी हेतु :– रू 200/–
3. वार्षिक शुल्क (Annual fee)
वर्ष में एक बार शुल्क जमा करने पर
सामान्य व्यक्ति हेतु :– रू 5500/–
उत्कृष्ट खिलाड़ी हेतु :–2200/–
पंजीयन तिथि :– 15. 09. 2026 से 26.09 2026 तक

ह0/–
जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी।

PR 389614 (District) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

पुस्तक समीक्षा: 1947 विभाजन के शेष सवाल विभाजन की त्रासदी का दस्तावेज

विवेक शुक्ला की नवीनतम पुस्तक ह्य1947 विभाजन के शेष सवालह्ल मात्र एक पुस्तक नहीं बल्कि अपने दौर का एक दस्तावेज है। त्रासदी और मानव इतिहास में इतनी बड़ी तादाद में दोनों तरफ के लोगों के जीवन में झंझावात, जबरन, डर, स्वेच्छा से स्थान परिवर्तन दूसरा नहीं दिखता। कितने ही परिवार बरबाद हुए। कितने ही परिवार उस त्रासदी से कभी उबर ही नहीं पाये। हम अक्सर या तो ह्यसक्सेस स्टोरीजह्ल सुनते हैं या फिर इस बात पर विनोद करते हैं कि वहाँ से जो भी आया वो यही कहता है कि वहाँ हम महल में रहते थे, सोना-चांदी भरपूर था। सच्चाई इन दोनों के बीच में कहीं है। अब उनके पास खोने को कुछ नहीं था उन्होंने दिन-रात मेहनत कर और अपनी कुशाग्र बुद्धि से अपने-अपने व्यवसाय को चमकाया। विवेक शुक्ला ने इस विभाजन की त्रासदी के स्पेक्ट्रम से तरह-तरह के रंग उठाए हैं। भले वे राजनीति के क्षेत्र के हों। व्यवसायी हों। आम परिश्रमी लोग हों। फिल्म स्टार हों। कैसे उन्होंने तिनका-तिनका कर अपने नशेमन को फिर बसाया-बनाया। विभाजन के चलते उसके दुष्परिणाम सभी क्षेत्र में दिखाई दिये। अफसोस! मुंबई के फिल्म जगत का ह्यलॉसह्ल पाकिस्तान का ह्यगेनह्ल नहीं बन सका। जो भी लोग वहाँ सुनहरे सपने लेकर गए वे निराश ही हुए और गुमनामी के अंधेरे में खो गए। जबकि मुंबई का फिल्म जगत तरक्की करता गया। इसमें बहुत बड़ा हाथ वहाँ की शासन व्यवस्था और धार्मिक मान्यताओं का भी रहा। कहने को कायदे-आजम ने ह्यसेकुलरह्ल और सभी धर्मों के इबादत की बात अपने भाषण में कही किन्तु ऐसा हो न सका। गांधीजी और जिन्ना दोनों ही 1948 में इस दुनिया को अलविदा कह गए। इसी प्रकार व्यवसाय और नौकरी आदि के जो अवसर हिंदुस्तान फराहम करा पाया वह पाकिस्तान न कर सका। अँग्रेजी में कहावत है ह्ययू कैन नॉट लिव ऑन लव एंड फ्रेश एयर एलोनह्ल उसी तरह शासन चलाने को एक विजन चाहिए, बहुत परिपक्व योजनाएं चाहिए। राष्ट्र निर्माण का जज्बा चाहिए। जिस प्रकार का मिलिटरी और धार्मिक उन्माद सरहद पार देखने को मिलता है उससे यही लगता रहा कि ये मुल्क तरक्की कब करेगा और अपने लोगों को कब वो सब दे पाएगा जिसकी तलाश में वे सैकड़ों मील दूर चल कर पहुंचे थे। मुनव्वर राना अपनी किताब ह्यमुहाजिरह्ल में लिखते हैं: जैसा कि विवेक शुक्ला ने भी उल्लेख किया है आमजन दोनों तरफ का अपने को कितनी ही चीजों में कॉमन पाता है। रीति रिवाज, भोजन, भाषा, कहावतें, पहनावा, सिंगार। इसी की नुमायान्दगी करते रहे हैं। मुशायरे, गजल कंसर्ट, मगर जब हवा ही जहरीली हो तो कुछ पनप नहीं पाता। जनाब जिगर मुरादाबादी साब का कलाम है: मैं विवेक शुक्ला की किताब ह्य1947 विभाजन के शेष सवालह्ल को उसी दिशा में एक कदम मानता हूँ। सियासतदान सियासत करते रहे हैं, करते रहेंगे। मगर आम जन यहाँ भी, वहाँ भी एक से हैं। उनके गम एक हैं, उनकी खुशियाँ एक हैं और तो और उनके मसाइल एक हैं। हम अंग्रेजों की ह्यडिवाइड एंड रूलह्ल को अब तक ढोते आ रहे हैं। अन्यथा सोचिए उस एकीकृत इंडिया की ताकत दुनिया में क्या होती।

184 पृष्ठों की यह पुस्तक ह्यप्रवासी प्रेम पब्लिशिंग इंडियाह्ल ने प्रकाशित की है। छपाई बहुत सुंदर है। कीमत 390/- है। प्रूफ रीडिंग वर्ड क्लास (बोले तो त्रुटिहीन है, आजकल वर्ड क्लास कहने का रिवाज चल निकला है) है। यह एक संग्रहणीय पुस्तक है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, यह उस दौर की और उसके बाद के हालातों का मात्र लेखा-जोखा नहीं बल्कि एक दस्तावेज है उस दौर का और उसके बाद की जिंदगियों का।

बेलगाम अधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करने के मामले जो टिप्पणियां की हैं, वो देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दर्शाता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो। उल्लेखनीय है कि मामले में लिप्त अधिकारी कोई ऐसा ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, मसलन व्हाट्स ऐप संदेश या वीडियो उपलब्ध नहीं करा सके, जो यह साबित करता कि छात्रा ने लोगों को दंगे या तोड़-फोड़ के लिये उकसाया था। जिसके बाद ही अदालत ने अभियुक्त की हिरासत रद्द करने के आदेश दिए। देश का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करना एक जायज अधिकार रहा है। एक स्वतंत्र देश में तो यह अधिकार और सबल हो जाता है। निस्संदेह, किसी संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध व प्रदर्शन में शामिल होने और हिंसा भड़काने के बीच फर्क बहुत अहम है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियां हैं। दरअसल, अदालत ने गिरफ्तारी के समय और आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार करने के दौरान सामने आई विसंगतियों पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इस प्रक्रिया को घटना के बाद रची गई कार्रवाई जैसा बताया है। इस घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू कोर्ट द्वारा दिया गया निर्देश है कि घटनाक्रम के लिये जिम्मेदार अधिकारियों से पांच लाख रुपये का मुआवजा वसूला जाए। इतना ही नहीं अधिकारियों के सर्विस रिकॉर्ड में इस बाबत टिप्पणी दर्ज की जाने का निर्देश दिया गया है। अदालत की सोच रही है कि जब कोई भी अधिकारी सरकारी ताकत का गलत ढंग से इस्तेमाल करता है, तो जवाबदेही सिर्फ सरकारी खजाने तक ही सीमित नहीं रह सकती है। जिसका निहितार्थ यह भी है कि सरकारी कर्मचारी जबर्दस्ती प्रयोग की जाने वाली ताकत के मालिक नहीं हैं, वरन सही मायने में वे उसके संरक्षक होते हैं। वास्तव में उनकी निष्ठा सत्ता के बजाय संविधान और कानून के प्रति ईमानदारी से होनी ही चाहिए। कहने का अभिप्राय यह भी कि लोकतंत्र शोर-शराबे वाले विरोध को तो झेल सकता है, लेकिन ऐसी नौकरशाही को बर्दाश्त नहीं कर सकता है, जो असहमति को व्यवस्था के लिये खतरा समझती हो। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षक के रूप में अदालत द्वारा की गई सख्त टिप्पणियां देश की राज्यों सरकारों के लिये एक नजीर जैसी हैं। खासकर बेलगाम अधिकारियों के लिये सबक है कि राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिये लोकतांत्रिक आंदोलनों का दमन नहीं किया जा सकता। किसी भी सख्त कानून का इस्तेमाल करने से पहले अधिकारियों को उसकी तार्किकता को जायज ठहराना चाहिए।

महीयसी महादेवी वर्मा साहित्य की एकान्त साधिका थी

शिक्षाग्रहण के प्रति उनमे अप्रतिहत इच्छा और आकांक्षा थी। उनका हिन्दी के प्रति अनुराग कितना व्यापक था, इसका ज्ञान और भान तब होता है जब उन्होंने किसी कान्वेण्ट स्कूल में अपने प्रवेश को लेकर अपना खुला विरोध प्रकट किया था, जिसके कारण इलाहाबाद मे बाई का बाग–मुहल्ले मे 'ग्रैण्ड ट्रैंक रोड' (जी० टी० रोड) के मुख्य मार्ग पर स्थित क्रॉस्थवेट स्कूल में उन्हें प्रवेश कराया गया गया था।

-आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

एक हठधर्मी और मुखर कवयित्री का आज निधन-दिनांक है; क्योंकि ११ सितम्बर, १९८७ ई० को महीयसी महादेवी वर्मा जी का इलाहाबाद (वर्तमान मे प्रयागराज) में शरीरान्त हो गया था, जो उनकी कर्मभूमि थी। जहाँ तक उनकी जन्मभूमि का विषय है तो उनका जन्म २६ मार्च, १९०७ ई० को संयुक्त प्रान्त आगरा-अवध के फरुर्खाबाद मे हुआ था। बताया जाता है कि उनके परिवार में दौ सौ वर्ष किसी कन्या का जन्म हुआ था; यानी सात पीढ़ियों के बाद। उनके बाबा बाबू बाँकेबिहारी उस कन्यारत्न की प्राप्ति से इतने उत्फुल्ल हुए थे कि उन्होंने उसका नामकरण 'महादेवी' कर दिया था। उस कन्या के पिता गोविन्दप्रसाद वर्मा और माता हेमरानी देवी ने यथाशक्य लालन-पालन किया। पिता एक अध्यापक थे, जबकि माँ धर्मपरायण गृहिणी और विदुषी थीं। वे हिन्दी और संस्कृत-भाषाओं की जानकार थीं। यद्यपि उनका बाल विवाह स्वरूपनारायण वर्मा के साथ हुआ था तथापि उन्होंने आजीवन एक 'अविवाहिता' के रूप मे जीवन-यापन किया था और आजीवन श्वेत-वसना रहीं। उन्होंने अपने पति से पुनर्विवाह करने के लिए आग्रह भी किया था; परन्तु उन्हें सफलता नहीं मिल पायी। उनके भीतर एक आक्रोश था, हठधर्मिता थी और थी, उन्मुक्त वैचारिक विचरण के विरुद्ध खड़ी की गयी वर्ज्य दीवारों को चुनौती देनेवाली प्रतिकार की मनः दशा। वे सुशिक्षिता के रूप मे समाज के सम्मुख स्वयं को प्रस्तुत करना चाहती थीं। वे बालपन से ही सामाजिक व्यवस्था के अत्याचार, विशेषतः नारी-उत्पीड़न को निकट से देखती आ रही थीं, इसलिए 'वैवाहिक सम्बन्ध' के प्रति उनका मोहभंग हो चुका था। वे अपनी अनन्य सखी 'कविता-कामिनी' को साथ लेकर अपने जीवन का सारस्वत शृंगार करने की अभिलाषी थीं। उनकी वेदना में जिस अनुभूति की गहनता का दर्शन होता है, उसमे उनकी व्यक्तिगत पीड़ा, करुण तथा उद्विग्नता का स्वर मुखरित होता है। शिक्षाग्रहण के प्रति उनमे अप्रतिहत इच्छा और आकांक्षा थी। उनका हिन्दी के प्रति अनुराग कितना व्यापक था, इसका ज्ञान और भान तब होता है जब उन्होंने किसी कान्वेण्ट स्कूल में अपने प्रवेश को लेकर अपना खुला विरोध प्रकट किया था, जिसके कारण इलाहाबाद मे बाई का बाग-मुहल्ले मे 'ग्रैण्ड ट्रैंक रोड' (जी० टी० रोड) के मुख्य मार्ग पर स्थित क्रॉस्थवेट स्कूल में उन्हें प्रवेश कराया गया गया था। प्रवेश पाने के बाद महादेवी की साहित्य-साधना अबाध्य गति मे चलती रही। वहाँ वे वहाँ के छात्रावास में रहती थीं। वहाँ समाज के हर सम्प्रदाय, जाति, वर्गादिक की छात्राएँ रहती थीं, जिनमें पारस्परिक एकता था; सब सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहती थीं। ये सब देख-समझकर बालिका महादेवी के भीतर का एकान्त छँटता रहा। सुभद्रा कुमारी चौहान से उनकी भेंट उसी विद्यालय में हुई थी, तब महादेवी जी पाँचवीं और सुभद्रा जी सातवीं कक्षा में पढ़ती थीं। मिडिल स्कूल में अध्ययन से पूर्व ही महादेवी जी का ध्यान बाह्य जीवन के दुःख की ओर गया और तभी से 'अबला', 'विधवा' आदिक शीर्षक से शब्दचित्र स्थान पा चुके थे। स्कूल के छात्रावास में महादेवी जी बहुत कम बोलती थीं। वे गुमसुम बैठीं अध्ययन करती रहती थीं और अवकाश मिलने पर रचनाधर्मिता के साथ जुड़ जाती थीं।

हिन्दी-साहित्य के प्रसिद्ध कवि श्रीधर पाठक की पुत्री ललिता पाठक के साथ उनका विशेष लगाव था। स्कूल में उनका जीवन 'बाल भगतिन'-जैसा था। वे अपनी इसी संकुचन की प्रवृत्ति के कारण कवि-सम्मेलनों मे अधिक भाग नहीं ले पाती थीं। विद्यापीठ और घर में बाहरी-भीतरी क्षेत्र की सीमाएँ रहीं। रचना-स्तर पर वे और सुभद्रा एकसाथ रहती थीं। उन्होंने लिखा था, ₹जब बाकी बच्चे बाहर खेलते थे, तब मैं और सुभद्रा पेड़ पर बैठकर अपने रचनात्मक विचारों को एक साथ बैठकर व्यक्त करते थे... वह खड़ीबोली मे लिखती थीं और जल्द ही मैंने भी खड़ीबोली में लिखना शुरू कर दिया... इस तरह हम हर दिन एक या दो कविताएँ लिख लेते थे...'' उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय स्नातक और संस्कृत-साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधियाँ अर्जित की थीं। वे इलाहाबाद से प्रकाशित क्रान्तिकारी पत्रिका 'चाँद' में वर्ष १९३१ से वर्ष १९३४ तक लिखती रहीं, जिनमें से २१ निबन्धों का संकलन नारी की स्थिति, अधिकार, कार्यक्षेत्र, व्यवसाय, समस्याओं तथा समाज में नारी की स्थिति का अमूल्य दस्तावेज है। साहित्यिक परिवार से इलाहाबाद मे आनेवाले साहित्यकारों के लिए तो उनका निवास 'घर'-जैसा ही था; किन्तु अन्य अतिथियों के लिए भी उनका द्वार मुक्त रूप से खुला ही रहता था। मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था,₹मेरी प्रयाग-यात्रा केवल संगम-स्नान से पूरी नहीं होती; उसको सर्वथा सार्थक बनाने के लिए मुझे सरस्वती (महादेवी) के दर्शन के लिए प्रयाग महिला विद्यापीठ जाना पड़ता है। संगम में कुछ फूल-अक्षत चढ़ाना पड़ता है। सरस्वती मन्दिर में कुछ प्रसाद मिलता है। 'साहित्यकार संसद्' हिन्दी के लिए उन्हीं का प्रसाद है।₹ 'महाप्राण' उपाधियुक्त सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ने उनकी 'हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती' के नाम से प्रतिष्ठा की थी। वे निराला जी को अपना भाई मानती थीं, जिसका निर्वहण करते हुए, वे आजीवन निराला जी की कलाइयों मे राखी बाँधती रहीं। उनकी रचनाशीलता में वेदना का जो अजस्र रस फूटा, उसने उन्हें 'आधुनिक मीराँ' ('मीरा' अनुपयुक्त है; क्योंकि राजस्थानी बोली मे 'मीराँ' का ही प्रयोग होता है। मीराँबाई राजस्थानी ही थीं।) की उपाधि से भी समलंकृत किया था। उनकी महती स्थापना हिन्दी-साहित्य मे छायावादी-युग के अन्तर्गत प्रसाद-पन्त-निराला के अनन्तर चतुर्थ स्तम्भ के रूप मे रही है। महादेवी जी का रचनापक्ष अज्ञात प्रियतम के प्रति एक प्रकार के गूढ़ प्रेम और जिज्ञासा से परिपूर्ण संलक्षित होता था। वह अज्ञात प्रियतम उनका 'परमात्मा' होता था। वे निसर्ग के सुकोमल रूपों का जिस कमनीयता के साथ प्रस्तुत करती थीं, वह मन को मुग्ध कर लेता था। यही कारण है कि उनके सर्जन में परमात्मा और प्रकृति (निसर्ग) के प्रति प्रेम का जो निदर्शन प्राप्त होता है, वह दुर्लभ है। महादेवी जी विविध आयोजनो में जीवन पक्ष, सामाजिक पक्ष, सामाजिक प्रतिक्रिया तथा सामाजिक मूल्यों आदिक विषयों पर विशद (सुस्पष्ट) और विस्तृत (बृहद्) चर्चा करती थीं। यह एक अलग विषय है कि वे नितान्त अन्तर्मुखी थीं; विरोध को जीती आ रही थीं और प्रतिकार करने की क्षमता भी विकसित कर लेती थीं। ऐसा नहीं देखा गया कि वे समकालीन साहित्यकारों में इतनी घुली-मिली रही हों अथवा घुल-मिल जाती रही हों। हाँ, वे सभी का समादर करती थीं। यही कारण है कि जब भी कोई बाहर का साहित्यकार इलाहाबाद आता था, वह महादेवी जी से मिलने की अभिलाषा को प्राथमिकता देता था। इलाहाबाद के सभी प्रसिद्ध साहित्यकार उनसे भेंटकर, तत्कालीन काव्य-परिदृश्य पर संवाद-परिसंवाद अवश्य करते थे; उनसे दिशा-निर्देश की चाह रखते हुए, मिलनेवाले साहित्यकार-लेखक, कवि-कवयित्री, पत्रकार, समीक्षक आदिक उनकी ओर से कभी निराश नहीं होते थे। इलाहाबाद-स्थित अशोकनगर नामक मुहल्ले मे उनका निवास 'साहित्यकार-संसद्' के रूप में विख्यात रहा। निराला जी की भाँति वे भी किसी साहित्यकार का अपमान 'स्वयं' का अपमान समझती थीं। आर्थिक परिस्थिति से विक्षिप्त निराला जी को महल में रखने का उनका स्वप्न 'साहित्यकार- संसद्'-निर्माण से पूर्ण हुआ था।

जल बचाने की मुहिम में जनभागीदारी जरूरी

जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं। पहले चरण के तहत मई 2025 तक देश में 27 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इसके बाद जून 2025 में दूसरा चरण शुरू किया गया। मई 2026 तक डेढ़ करोड़ से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जा चुकी थीं। 3 सितंबर 2026 तक यह संख्या एक करोड़ 58 लाख से अधिक हो गई।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में पानी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कई इलाकों में भूजल स्तर नीचे जा रहा है, तालाब और कुएं सूख रहे हैं तथा खेती और पीने के पानी के लिए भूजल पर निर्भरता बढ़ रही है। ऐसे समय में पानी बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं हो सकती। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। इसी सोच के साथ ह्यजल संचय जन भागीदारीह्ल अभियान शुरू किया गया है।

6 सितंबर 2024 को शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को बचाना, भूजल स्तर बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर पानी के स्रोतों को मजबूत करना है। इसके तहत कम खर्च में जल संरक्षण की संरचनाएं बनाने, पुराने और बंद पड़े नलकूपों को फिर से उपयोगी बनाने तथा स्थानीय जरूरत के अनुसार जल संरक्षण के उपाय करने पर जोर दिया जा रहा है। इस अभियान की खास बात यह है कि इसमें सरकार के साथ आम जनता, पंचायतें, सामाजिक संगठन और कंपनियां भी जुड़ सकती हैं। इसका आधार तीन ह्यसीह्ल हैं- समुदाय, कंपनियों का सामाजिक दायित्व और लागत। यानी समुदाय की भागीदारी, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी और कम खर्च में जल संरक्षण। इससे जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-अभियान बनाने की कोशिश की जा रही है। इस दिशा में बड़ी संख्या में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं। पहले चरण के तहत मई 2025 तक देश में 27 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इसके बाद जून 2025 में दूसरा चरण शुरू किया गया। मई 2026 तक डेढ़ करोड़ से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जा चुकी थीं। 3 सितंबर 2026 तक यह संख्या एक करोड़ 58 लाख से अधिक हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि देश में जल संरक्षण को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। केवल संरचनाएं बना देना काफी नहीं है। उनका सही स्थान पर बनना, नियमित रखरखाव और सही उपयोग भी जरूरी है। यदि बारिश का पानी इन संरचनाओं तक पहुंचे ही नहीं या कुछ वर्षों बाद वे मिट्टी और कचरे से भर जाएं तो उनका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसलिए स्थानीय लोगों को इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। भारत में पानी बचाने की परंपरा पहले से रही है। गांवों में तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और छोटे बांध लोगों की जरूरत पूरी करते थे। हरियाणा और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में आज भी पुराने जल स्रोत इसकी याद दिलाते हैं। आधुनिक विकास के दौरान हमने इन स्रोतों की उपेक्षा की और भूजल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल शुरू कर दिया। अब समय है कि पुरानी समझ को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जाए। इसी उद्देश्य से जल संचय जन भागीदारी को ह्यवर्षा जल संचयनह्ल अभियान से भी जोड़ा गया है। जून 2026 में इसे ह्यजल शक्ति अभियान–वर्षा जल संचयनह्ल के साथ मिलाकर नया रूप दिया गया। इसका सीधा संदेश है- बारिश की हर बूंद को व्यर्थ बहने से रोकना और उसे जमीन में पहुंचाना। जल संकट का एक बड़ा कारण खेती में पानी का अधिक इस्तेमाल भी है। कई किसान ऐसी फसलें उगाते हैं जिनमें बहुत अधिक पानी लगता है। भूजल निकालने के लिए लगातार नलकूप चलाए जाते हैं। इससे जमीन के नीचे का पानी तेजी से कम होता है। इसलिए पानी बचाने के लिए फसल विविधता, बूंद-बूंद सिंचाई, फुहार सिंचाई और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है। जल संरक्षण में ग्राम पंचायतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। हर गांव अपना ह्यजल बजटह्ल तैयार कर सकता है। इसमें यह देखा जाए कि गांव में सालभर में कितना पानी आता है, कितना पानी खेती और घरों में खर्च होता है और कितना पानी जमीन में वापस पहुंचाया जा सकता है। इससे लोगों को अपने क्षेत्र में पानी की वास्तविक स्थिति समझने में मदद मिलेगी। विद्यालय और महाविद्यालय भी इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को केवल किताबों में जल संरक्षण पढ़ाने के बजाय विद्यालय परिसर में वर्षाजल संचयन, पौधारोपण और पानी की बचत की व्यवस्था करनी चाहिए। बच्चों के माध्यम से पानी बचाने का संदेश घरों तक भी पहुंच सकता है।

1 और 2 सितंबर 2026 को हुए जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय सम्मेलन में भी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। जल संरक्षण के साथ जल जागरूकता, प्रशिक्षण, राज्यों के बीच अनुभव साझा करने और पानी से जुड़े सही आंकड़े तैयार करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। यह जरूरी है, क्योंकि पानी की समस्या हर राज्य और हर क्षेत्र में एक जैसी नहीं है। कहीं बाढ़ की समस्या है तो कहीं सूखे की। जल संरक्षण को सफल बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि लोगों की सोच बदले। नल खुला छोड़ना, बारिश के पानी को नालियों में बहने देना, तालाबों पर कब्जा करना और भूजल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना बंद करना होगा। पानी को असीमित संसाधन मानने की सोच बदलनी होगी।

जल संचय जन भागीदारी की असली सफलता केवल इस बात से तय नहीं होगी कि कितनी संरचनाएं बनाई गईं। सफलता तब होगी जब तालाबों में पानी लौटे, भूजल स्तर सुधरे, किसानों की पानी पर निर्भरता कम हो और आम लोग पानी बचाने को अपनी जिम्मेदारी समझें।

भारत में जल सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। सरकार दिशा और संसाधन दे सकती है, लेकिन पानी बचाने की आदत समाज को खुद विकसित करनी होगी। हर बूंद बचाना, हर जल स्रोत को बचाना और हर व्यक्ति को जल संरक्षण से जोड़ना ही भविष्य के सुरक्षित भारत की जरूरत है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कलयुग के रहस्य क्या आज हो रहे हैं सच?

महाभारत को केवल युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि जीवन, धर्म, नीति और मानव स्वभाव को समझने वाला महान ग्रंथ माना जाता है। इससे जुड़ी कई कथाएं आज भी लोगों के बीच चर्चा का विषय रहती हैं। ऐसी ही एक रोचक पौराणिक कथा में भगवान श्रीकृष्ण पांडवों को कलयुग के संभावित स्वरूप को समझाने के लिए कुछ विचित्र घटनाओं का उदाहरण देते हैं। कथा के अनुसार, पांचों पांडवों ने जब श्रीकृष्ण से पूछा कि आने वाले कलयुग में समाज और मनुष्य का व्यवहार कैसा होगा, तो श्रीकृष्ण ने उन्हें वन में जाकर अलग-अलग दिशाओं में कुछ विचित्र दृश्य देखने को कहा। लौटने के बाद उन्होंने उन

घटनाओं का अर्थ समझाया। युधिष्ठिर ने वन में दो सूंड वाला हाथी देखा। कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने इसे ऐसे लोगों का प्रतीक बताया जिनकी कथनी और करनी में अंतर होगा। वे सामने कुछ और कहेंगे, जबकि उनके मन में कुछ और चल रहा होगा। इस प्रसंग का संदेश है कि किसी व्यक्ति को केवल उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से परखना चाहिए। अर्जुन ने ऐसा पक्षी देखा जिसके पंखों पर वेदों जैसी पवित्र रचनाएं अंकित थीं, लेकिन वह मृत शरीर का मांस खा रहा था। कथा में श्रीकृष्ण ने इसे ऐसे लोगों से जोड़ा जो बाहर से धार्मिक और ज्ञानी दिखाई देंगे, लेकिन उनका आचरण उनके विचारों से बिल्कुल अलग होगा। संदेश साफ है- सच्चा ज्ञान केवल बोलने या पढ़ने में नहीं, बल्कि व्यवहार में नजर आता है।

भीम ने देखा मां के प्यार की अलग तस्वीर

भीम ने एक गाय को अपने बछड़े को अत्यधिक चाटते देखा, जिससे बछड़ा घायल हो गया। श्रीकृष्ण ने इसे माता-पिता के अत्यधिक मोह का संकेत बताया। कथा का भाव यह है कि बच्चों से प्रेम जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा नियंत्रण और मोह उनके विकास में बाधा बन सकता है। बच्चों को संस्कार देने के साथ उन्हें अपने फैसले लेने और आगे बढ़ने का अवसर भी देना चाहिए।

सहदेव के सामने सात कुओं का रहस्य

सहदेव ने देखा कि कई कुएं पानी से भरे हैं, लेकिन उनके बीच एक कुआं सूखा पड़ा है। श्रीकृष्ण ने इसे समाज में बढ़ती असमानता से जोड़कर समझाया। एक ओर लोग धन और संसाधनों का प्रदर्शन करेंगे, वहीं दूसरी ओर जरूरतमंद लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर सकते हैं। यह प्रसंग इंसान को अपनी समृद्धि के साथ दूसरों की जरूरतों का भी ध्यान रखने का संदेश देता है।

नकुल ने देखा छोटी शक्ति ने रोक दी विशाल चट्टान

नकुल ने पहाड़ से लुढ़कती एक विशाल चट्टान देखी, जिसे बड़े-बड़े पेड़ भी नहीं रोक पाए। एक छोटे पौधे के पास पहुंचकर वह रुक गई। कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने इसे जीवन में मोह, अहंकार और सांसारिक इच्छाओं के प्रभाव का प्रतीक बताया। उनका संदेश था कि भटकाव कितना भी बड़ा क्यों न हो, ईश्वर की भक्ति, अच्छे कर्म और आध्यात्मिक चेतना इंसान को सही दिशा में लौटा सकती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

गंगा में दो बच्चों के साथ महिला ने लगाई छलांग, स्थानीय लोगों ने बचाई तीनों की जान

नमामि घाट पर घटना घरेलू विवाद के कारण आत्महत्या के प्रयास की आशंका

संवाददाता

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र के नमामि घाट पर शुक्रवार की शाम उस समय अफरा-तफरी मच गयी, जब एक महिला अपने दो बच्चों के साथ गंगा नदी में कूद गयी। महिला और दोनों बच्चों को डूबता देख स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए नदी में उतरकर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

स्थानीय लोगों की तत्परता से तीनों की जान बच गयी।बताया जाता है कि महिला अपने दोनों बच्चों के साथ नमामि घाट पहुंची थी। कुछ देर बाद उसने दोनों बच्चों के साथ गंगा नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों के साथ पत्रकार अरविंद ठाकुर ने भी बचाव कार्य में अहम भूमिका निभायी और महिला व दोनों बच्चों को नदी से बाहर निकालने में सहयोग किया। स्थानीय लोगों और गंगा नदी थाना पुलिस के अनुसार महिला की पहचान नगर थाना क्षेत्र के तालबन्ना निवासी आजाद यादव की पत्नी के रूप में हुई है। घटना के पीछे घरेलू कलह की बात सामने आ रही है। हालांकि महिला ने किन परिस्थितियों में बच्चों के साथ गंगा में छलांग लगायी इसकी पुलिस जांच कर रही है।

घटना की सूचना मिलने पर गंगा नदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। वहीं इस संबंध में महिला के पति आजाद यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया।लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका ।

हत्या मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी पति को कुछ ही घंटों में किया गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:रांगा थाना क्षेत्र के बिशनपुर आदिवासी टोला में शुक्रवार की सुबह 35 वर्षीय विवाहिता दुल्हन हेंब्रम का शव संदिग्ध परिस्थिति मे उसके मायके के पास से बरामद किया गया. जिससे इलाके मे सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार घटना से एक दिन पहले दुल्हन हेंब्रम के साथ कथित मारपीट को लेकर गांव में ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचायत बुलाई गई थी।पंचायत के दौरान पति धोना किस्कू अपनी पत्नी को लेकर घर के अंदर चला गया।इसके बाद दोनों के कमरे में जाने के बाद दरवाजा अंदर से बंद हो गया। ग्रामीणों ने दरवाजा खुलवाने की कोसिस की लेकिन अंदर से चीख पुकार आती रही जिसके बाद सभी ग्रामीण अपने घर चले गए अगली सुबह दुल्हन हेंब्रम का शव उसके मायके के पास मिलने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया।घटना की जानकारी मिलते ही रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। घटना का आरोप मृतका के पति धोना किस्कू पर लगाया गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद रांगा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को कुछ ही घंटों में थाना क्षेत्र के एक जंगल से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।इस मामले मे पुलिस ने मृतका के चाचा एवं बिशनपुर के ग्राम प्रधान ढेपांग हेंब्रम के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही विवाहिता की मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

अपहरण के दर्ज मामले में आरोपी युवक भेजा गया जेल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने युवती के अपहरण के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान इस्लामपुर नवादा बड़ा पंचगढ़ निवासी अभिषेक पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की रहने वाली शिल्पी कुमारी के घर से चले जाने के मामले में परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस को युवक की संलिप्तता की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभिषेक पासवान को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि युवती के युवक के साथ प्रेम प्रसंग होने की बात सामने आयी थी। हालांकि पुलिस ने मामले को युवती के अपहरण से संबंधित प्राथमिकी के आधार पर जांच में लिया है। युवती की बरामदगी और पूरे मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी: जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि युवती के अपहरण के मामले में अभिषेक पासवान को गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में अनुसंधान जारी है।

भाजपा नेता ने सैयद अरशद नसर के विरुद्ध दर्ज करायी प्राथमिकी

साहिबगंज :भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव ने सामाजिक कार्यकर्ता सैयद अरशद नसर के विरुद्ध रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस ने बजरंगी प्रसाद यादव के बयान के आधार पर कांड संख्या 160/26 दर्ज कर मामले का अनुसंधान शुरू कर दिया है। नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि बजरंगी प्रसाद यादव के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गणेश व विश्वकर्मा पूजा को लेकर आज होगी शांति समिति की बैठक

साहिबगंज : गणेश पूजा एवं विश्वकर्मा पूजा के मद्देनजर जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर शनिवार, 12 सितंबर को शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पूजा के दौरान आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखने, जुलूस और पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। जिरवाबाड़ी थाना परिसर में दोपहर 1 बजे शांति समिति की बैठक होगी। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज करेंगे। बैठक में शांति समिति के सदस्यों शहर के गणमान्य लोगों पूजा समितियों के सदस्यों को बैठक में आमंत्रित किया है। वहीं नगर थाना परिसर में दोपहर चार बजे शांति समिति की बैठक आयोजित होगी। यहां भी पूजा समितियों के सदस्यों, शांति समिति के सदस्यों गणमान्य लोगों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। थाना प्रभारियों ने सभी आमंत्रित सदस्यों से बैठक में उपस्थित होकर पूजा के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

जिरवाबाड़ी व नगर थाना परिसर में अलग-अलग समय पर होगी बैठक, पूजा समितियों व गणमान्य लोगों को किया गया आमंत्रित

इग्नू में दिसंबर सत्रांत परीक्षा के लिए 30 सितंबर तक बिना विलंब भरे शुल्क : डॉ ध्रुब

साहिबगंज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र, देवघर के निदेशानुसार इग्नू अध्ययन केन्द्र 3605, साहिबगंज महाविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2026 व जुलाई 2026 सत्र में नव-नामांकन से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी गई है।दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षा के लिए 30 सितंबर 2026 तक बिना विलंब शुल्क परीक्षा प्रपत्र भरा जा सकता है।इसके बाद 1अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक 1,100 रुपये विलंब शुल्क के साथ परीक्षा प्रपत्र जमा किया जा सकेगा।वहीं दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना सत्रीय कार्य अध्ययन केन्द्र में अनिवार्य रूप से जमा कर दें।इसके अलावा जुलाई 2026 सत्र में नव-नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। इच्छुक विद्यार्थी इग्नू के स्नातक,स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन नामांकन करा सकते हैं।अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है। कि वे निर्धारित तिथियों का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा प्रपत्र, सत्रीय कार्य व नामांकन से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर लें।

निशांत जायसवाल बने झारखंड प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष

साहिबगंज :ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी ने चतरा के युवा नेता निशांत जायसवाल को झारखंड प्रदेश ओबीसी कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 10 सितंबर को पत्र जारी कर नियुक्ति की घोषणा की। निशांत जायसवाल की नियुक्ति के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। वही साहिबगंज कांग्रेस ओबीसी के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ओबीसी समाज के अधिकार,हित और विभिन्न समस्याओं से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा।उन्होंने कहा कि निशांत जायसवाल के अनुभव,सक्रियता और नेतृत्व क्षमता से संगठन को नई मजबूती मिलेगी।साथ ही,ओबीसी समाज की समस्याओं एवं मांगों को कांग्रेस के मंच से प्रभावी ढंग से उठाने और उनके समाधान के लिए आवाज बुलंद करने में भी मदद मिलेगी।

बाढ़ प्रभावितों के बीच आजसू ने बांटा राहत सामग्री

साहिबगंज:जिले में लगातार बढ़ते बाढ़ के पानी को देखते हुए आजसू पार्टी की ओर से बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच लगातार राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।शुक्रवार को भी आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने सदर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर लोगों के बीच सुखा राशन एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया। आजसू कार्यकताओं ने छोटा सोल बांधा,पासवान टोली,हरिप्रसाद,उत्तर लाइन,गंगोता टोली,महेंद्र टोला,गरम घाट सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों के बीच चूड़ा, गुड़,बिस्किट सहित अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई। बाढ़ के कारण कई परिवारों को रोजमर्रा की आवश्यक सामग्री जुटाने में परेशानी हो रही है।ऐसे में पार्टी कार्यकताओं द्वारा प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है।इस दौरान जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने कहा कि बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है और बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हैं।

एसआईआर हेल्प डेस्क शुरू ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में जुटी कांग्रेस

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पूर्व मंत्री जनाब आलमगीर आलम व विधायक निसात आलम के निदेर्शानुसार बरहरवा स्थित विधायक कक्ष में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक एस आईआर हेल्प डेस्क का आयोजन किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के नेतृत्व में संचालित इस हेल्प डेस्क के माध्यम से क्षेत्र के ग्रामीणों को विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।हेल्प डेस्क पर कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की एस आईआर से जुड़ी समस्याओं को सुना जा रहा है तथा उनके यथासंभव समाधान का प्रयास किया जा रहा है।साथ ही ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेज आवेदन प्रक्रिया व से संबंधित दिशा-निदेर्शों की जानकारी भी दी जा रही है।कांग्रेस नेताओं ने प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि एस आईआर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए वे बरहरवा स्थित विधायक कक्ष में संचालित हेल्प डेस्क पर पहुंचकर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करें।इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, मास्टर ट्रेनर मुरसलीन खान नेहाल अख्तर,नितय सरकार,अब्दुल करीम आलमगीर मंसूरी सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक दिवसीय भर्ती कैंप-सह-पंजीयन कैंप का सफल आयोजन

200 रिक्तियों के लिए प्रक्रिया,18 अभ्यर्थियों का चयन व 12 शॉर्टलिस्ट

संवाददाता

साहिबगंज : श्रम नियोजन प्रशिक्षण व कौशल विकास विभाग झारखंड रांची के तत्वावधान में जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर साहिबगंज द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज परिसर में एक दिवसीय भर्ती कैंप-सह-पंजीयन कैंप का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं व युवतियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें उपलब्ध रोजगारपरक सुविधाओं एवं मार्गदर्शन की जानकारी प्रदान करना रहा।भर्ती कैंप में कुल दो नियोजकों ने भाग लिया। विभिन्न पदों, जैसे एनएपीएस आदि के लिए कुल 200 रिक्तियां उपलब्ध थीं। भर्ती प्रक्रिया के दौरान 18 अभ्यर्थियों का चयन किया गया ।जबकि 12 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। वहीं नियोजन कैंप के माध्यम से कुल 22 युवक युवतियों का नियोजन पोर्टल पर पंजीयन भी किया गया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 150 से अधिक बेरोजगार अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित अभ्यर्थियों को कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, आईटी लैब, पुस्तकालय कैरियर काउंसलिंग आदि के लाभ उठाने तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही, कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण एवं नामांकन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।

रोजगार के साथ कौशल विकास पर भी विशेष जोर: जिला नियोजनालय द्वारा आयोजित यह पहल जिले के युवाओं को रोजगार कौशल विकास व कैरियर मार्गदर्शन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे भर्ती-सह-पंजीयन कैंप के माध्यम से एक ही मंच पर नियोजकों और अभ्यर्थियों के बीच सीधा संवाद एवं रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला नियोजनालय द्वारा भविष्य में भी निरंतर रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप आयोजित कर युवाओं को सुरक्षित एवं बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।उक्त कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार, प्रभारी प्राचार्य आईटीआई साहिबगंज सत्यनारायण मंडल, यंग प्रोफेशनल राजीव रंजन कुमार लिपिक समीर मरांडी सहित नियोजक प्रतिनिधि चंदन कुमार एवं अजीत कुमार और कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षक के स्थानांतरण आदेश का अनुपालन कराने की मांग

साहिबगंज/राजमहल:प्रखंड क्षेत्र के ग्राम डुमरी, पो0 मंगलहाट के ग्रामीण प्रदीप मंडल अर्चना देवी,सोनिता देवी,राजेश मंडल अजर कुमार,सरत पदक पिंकी देवी,जिगयामा कुमारी संतोष मंडल कविता देवी,चंदना देवी,पंची देवी सूरज कुमार मंडल रेशमा कुमारी अंजना देवी राज कुमार सहित अन्य लोगों ने विवादित शिक्षक पंचानन मंडल के स्थानांतरण आदेश का अनुपालन कराने और उन्हें पूर्व विद्यालय में वापस नहीं रखने की मांग को लेकर उपायुक्त व जिला शिक्षा अधीक्षक को आवेदन दिया।ग्रामीणों के अनुसार शिक्षक पंचानन मंडल के विरुद्ध विद्यालय में कथित अनियमितता व मध्याह्न भोजन योजना में गड़बड़ी से संबंधित शिकायतें पूर्व में की गई थीं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद प्रखंड

शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजमहल के ज्ञापांक 389 दिनांक 3.08.2026 के आदेश के तहत उन्हें उच्च प्राथमिक विद्यालय डुमरी से स्थानांतरित कर उच्च मध्य विद्यालय कन्हैयास्थान में पदस्थापित किया गया था।ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानांतरण के बाद शिक्षक कुछ दिनों तक कन्हैया स्थान विद्यालय गए लेकिन इसके बाद वहां जाना बंद कर दिया और पुनः डुमरी विद्यालय में रहने के लिए पत्राचार किया।ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक द्वारा गांव के कुछ लोगों से हस्ताक्षर भी कराया गया है।जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके पुनः डुमरी विद्यालय में पदस्थापन के पक्ष में नहीं हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिक्षक के घर के समीप विद्यालय होने के कारण उनके विद्यालय में नियमित उपस्थिति को लेकर पूर्व में भी सवाल उठते रहे हैं।साथ ही मध्याह्न भोजन योजना के संचालन में भी कथित अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के स्थानांतरण आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए शिक्षक की नियमित उपस्थिति और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता आवश्यक है।उन्होंने अधिकारियों से मामले में शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

बाढ़ प्रभावित वार्ड सात का वार्ड पार्षद ने किया दौरा सुनी लोगों की समस्या

साहिबगंज: वार्ड नंबर सात में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को वार्ड पार्षद सुनीता सिंह एवं पूर्व पार्षद जयप्रकाश सिंह ने छोटी शीतला मंदिर,ज्ञानी मोहल्ला, बड़ी शीतला मंदिर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया।उन्होंने प्रभावित लोगों से मिलकर समस्याएं सुनीं और राहत व आवश्यक व्यवस्था का आश्वासन दिया।जलजमाव वाले क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया।वहीं,लोगों की सुविधा के लिए सुलभ शौचालय खोलने व साफ-सफाई कराने तथा सुरक्षा के मद्देनजर स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने का निर्देश दिया गया।पार्षद ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से उधवा के दियारा क्षेत्र में बाढ़ का कहर

संवाददाता

घरों स्कूलों और सड़कों में घुसा बाढ़ का पानी सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे ग्रामीण

साहिबगंज/उधवा : गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से उधवा प्रखंड के दियारा क्षेत्र में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। निचले इलाकों में तेजी से बाढ़ का पानी फैलने के कारण कई घरों विद्यालयों और सड़कों में पानी प्रवेश कर गया है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाढ़ प्रभावित परिवार अपने जरूरी सामान और मवेशियों को लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।जानकारी के अनुसार गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण उधवा प्रखंड के दियारा क्षेत्र के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। कई जगहों पर घरों के आसपास पानी जमा होने के साथ-साथ प्रमुख सड़कों पर भी पानी बहने लगा है। इससे ग्रामीणों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो गया है।

शांति मोड़-प्राणपुर सड़क पर चढ़ा बाढ़ का पानी: शांति मोड़ से प्राणपुर होते हुए नाशघाट जाने वाली सड़क पर बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण आवागमन करते हैं। सड़क पर पानी जमा होने के बावजूद लोग जरूरी काम के लिए जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। जलस्तर और बढ़ने की स्थिति में इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित होने की आशंका जताई जा रही है।

कई पंचायतों में बाढ़ का असर, राहत सामग्री की मांग: गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से उधवा प्रखंड की पूर्वी प्राणपुर, पश्चिमी प्राणपुर, दक्षिण पलाशगाछी, श्रीधर दियारा, उत्तर पलाशगाछी, मध्य पियारपुर, उत्तर पियारपुर, बेगमगंज, दक्षिण पियारपुर, पूर्वी उधवा दियारा समेत कई पंचायतों के निचले इलाके प्रभावित हैं। बाढ़ का पानी फैलने से ग्रामीणों के सामने शुद्ध पेयजल, भोजन, शौचालय और पशुचारे की समस्या गंभीर होती जा रही है। कई परिवार अपने मवेशियों को सुरक्षित रखने के लिए ऊंचे स्थानों पर ले जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री, पेयजल और पशुचारे की व्यवस्था कराने की मांग की है।

स्कूलों और सड़कों में घुसा पानी, नाव बना आवागमन का सहारा: प्रखंड क्षेत्र के कई सरकारी विद्यालयों और मुख्य सड़कों पर बाढ़ का पानी पहुंच गया है। सड़कों के डूबने से कई इलाकों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हो गया है। कुछ स्थानों पर ग्रामीण नाव के सहारे आवागमन करने को मजबूर हैं। प्रशासन की ओर से बाढ़ से निपटने की तैयारी किए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि एक-दो पंचायतों को छोड़कर उधवा के अधिकांश प्रभावित निचले इलाकों में अब तक पर्याप्त राहत सामग्री और पशुचारे की व्यवस्था नहीं की गई है।

आशियाना छोड़ सुरक्षित ठिकानों की ओर जा रहे परिवार: बाढ़ का पानी घरों में प्रवेश करने के बाद कई पीड़ित परिवार अपना आशियाना छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। ग्रामीण अपने जरूरी सामान के साथ मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। लोगों को आशंका है कि जलस्तर में और वृद्धि हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

इन गांवों में बाढ़ और कटाव का खतरा

पश्चिमी प्राणपुर, दक्षिण पलाशगाछी श्रीधर दियारा पंचायत के साहेब टोला गोल ढाब चुआर, खासमहल, अजमत टोला, आसराउल टोला, मुजलिस टोला, उमेद हाजी टोला, बादसू टोला, जफर टोला, जमशेद टोला और मछुआ टोला समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ के साथ-साथ गंगा किनारे कई स्थानों पर कटाव भी शुरू होने की सूचना है। इससे नदी किनारे बसे सैकड़ों किसानों और ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों को अपनी जमीन और घर कटाव की जद में आने का डर सता रहा है। लोगों ने प्रशासन से प्रभावित इलाकों में तत्काल राहत कार्य शुरू कराने तथा कटावरोधी उपाय किए जाने की मांग की है।

यूएस ओपनः सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने जीता महिला युगल का खिताब

न्यूयॉर्क । शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने शुक्रवार को अमेरिकी वाइल्ड कार्ड जोड़ी एशलिन क्रूगर और रॉबिन मोंटगोमरी को हराकर यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की और इसके साथ ही टीम के रूप में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा के ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताबों की संख्या 12 हो गई। वह दो अलग-अलग खिलाड़ियों के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

उन्होंने इससे पहले अपनी हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, टाउनसेंड महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली मौजूदा खिलाड़ियों में छठी खिलाड़ी बन गईं। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने 2024 में विंबलडन, 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन का महिला युगल खिताब भी जीता था। फाइनल में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने धीमी शुरूआत की और पहला सेट 5-7 से गंवा दिया। हालांकि दूसरे सेट में दोनों ने शानदार वापसी की। शुरूआती गेम में 40-30 से पिछड़ने के बाद उन्होंने अगले 27 में से 23 अंक जीतकर दूसरा सेट 6-0 से अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुरूआती ब्रेक हासिल किया और सिनियाकोवा ने अपनी सर्विस बिना कोई अंक गंवाए बरकरार रखते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद टाउनसेंड ने भी चार अंकों वाला सर्विस गेम जीतकर बढ़त 4-2 कर दी। अंततः दोनों ने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पहले सेट में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने लगातार 13 अंक जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया था। इसके बाद सिनियाकोवा ने टाईब्रेक की ओर बढ़ने के प्रयास में सर्विस करते हुए तीन डबल फॉल्ट किए, जिसमें सेट प्वाइंट पर किया गया डबल फॉल्ट भी शामिल था।

ट्रॉफी समारोह में सिनियाकोवा ने कहा, ह्लबहुत नर्वस थी, कई फाइनल खेले हैं, लेकिन अंत में हम इसे हासिल करने में सफल रहे। मुझे हमारी लड़ाई और हमारे रिश्ते पर बहुत गर्व है। मेरे साथ बने रहने के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि यह अंत नहीं है और हम आगे भी और फाइनल खेलने आएंगे।टाउनसेंड ने कहा, ह्लएक वयस्क खिलाड़ी के रूप में यहां आकर जीतना, आर्थर ऐश स्टेडियम में खेलना और यह ट्रॉफी उठाना मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि मैं उन चीजों को नहीं भूलती, जिनसे मैं गुजरी हूं।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिपः भक्ति शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य, जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया

चांगवोन । भारत की भक्ति शर्मा ने डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 213.1 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। ईरान की नासरीन शाही समाखौन ने भक्ति को पीछे छोड़कर रजत पदक हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन फैजेह अहमदी ने 238.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारत की एक अन्य निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा भी शामिल थीं, जिन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भक्ति छठे स्थान पर रही थीं और सृष्टि से एक स्थान पीछे थीं। हालांकि, 565 अंक के स्कोर के साथ उन्होंने नया जूनियर विश्व रिकॉर्ड कायम किया। सृष्टि ने क्वालीफिकेशन में 566 अंक हासिल किए। भारत की सुमेधा पाठक केवल एक अंक से शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं। वहीं, 2024 पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस 554 अंक के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। सृष्टि, भक्ति और सुमेधा के तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर के संयुक्त 1690 अंक भारत के खाते में रहे। ईरान ने 1707 अंक के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन ने कांस्य पदक हासिल किया।

महिला एशिया कपः श्रीलंका ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया, फाइनल में भारत से होगी भिड़ंत

दुबई । श्रीलंका ने शुक्रवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए 2026 महिला एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को चार विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ गत चैंपियन श्रीलंका ने अपने खिताब के बचाव की उम्मीद कायम रखी और अब फाइनल में उसका सामना भारत से होगा। श्रीलंका और भारत के बीच फाइनल मुकाबला 2024 के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति होगा। पिछले संस्करण में श्रीलंका ने भारत को हराकर पहली बार महिला एशिया कप का खिताब जीता था।131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पारी की नींव हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने 69 रन की साझेदारी कर रखी।

विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिपः डुप्लांटिस ने करालिस को पछाड़कर पोल वॉल्ट का खिताब जीता

बुडापेस्ट । विश्व और ओलंपिक चैंपियन आर्मंड मोंडो डुप्लांटिस ने शुक्रवार को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वॉल्ट का खिताब अपने नाम किया। डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रीस के अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी इमैनुअल करालिस को पीछे छोड़ा। अमेरिका में जन्मे स्वीडिश खिलाड़ी डुप्लांटिस चोट की चिंता के बीच हंगरी पहुंचे थे। पैर में खिंचाव दोबारा उभरने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल से नाम वापस ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति में करालिस ने वहां खिताब जीता था, लेकिन बुडापेस्ट में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया। डुप्लांटिस और करालिस ने 5.60 मीटर की ऊंचाई से शुरूआत की और दोनों ने इसे आसानी से पार किया। डुप्लांटिस ने 5.80 मीटर को छोड़ दिया, जबकि करालिस ने यह ऊंचाई पार कर ली। इसके बाद 5.95 मीटर की ऊंचाई भी डुप्लांटिस, करालिस, नॉर्वे के सोंद्रे गुट्टोर्मसेन, ऑस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल और अमेरिका के जैकेरी ब्रैडफोर्ड ने पार की।

डुप्लांटिस 6.05 मीटर पार करने वाले पहले खिलाड़ी बने, लेकिन करालिस ने तीसरे प्रयास में इस ऊंचाई को पार कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। इसके बाद 6.15 मीटर की ऊंचाई पर करालिस ने पहले प्रयास में सफलता हासिल कर डुप्लांटिस पर दबाव बनाया। हालांकि स्वीडिश खिलाड़ी ने भी इसे पार कर लिया। इसके बाद बार को 6.20 मीटर तक बढ़ाया गया। करालिस इस ऊंचाई को पार नहीं कर सके, जबकि डुप्लांटिस ने इसे सफलतापूर्वक पार कर खिताब अपने नाम कर लिया। करालिस ने 6.20 मीटर को छोड़ दिया और 6.25 मीटर पर प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं रहे। डुप्लांटिस ने इसके बाद 6.32 मीटर की ऊंचाई पर तीन प्रयास किए, लेकिन तीनों में असफल रहे। यह ऊंचाई पार करने पर वह अपना ही विश्व रिकॉर्ड एक सेंटीमीटर बेहतर कर सकते थे। उन्होंने इस सत्र में अपना विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर तक पहुंचाया है। खिताबी जीत के बाद डुप्लांटिस ने कहा, यह शानदार था।

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज, बोलीं-

ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है। क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई। जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे।

सीन चोरी के आरोप लगाने वालीं फिल्ममेकर का मानहानिकारक कंटेंट हटाना होगा

मानहानि केस में सयानी गुप्ता को अंतरिम राहत

मुंबई सिटी सिविल कोर्ट ने गुरुवार को एक्ट्रेस और फिल्ममेकर सयानी गुप्ता के खिलाफ मानहानिकारक कंटेंट प्रकाशित या प्रसारित करने पर अंतरिम रोक लगा दी। यह मामला उनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से जुड़ा है, जिस पर फिल्ममेकर विनीता नेगी ने चोरी के आरोप लगाए थे।

लीगल वेबसाइट बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, एडिशनल सेशंस जज शुद्धिकुमार मुरलीधरराव बुके ने सयानी गुप्ता की ओर से दायर अंतरिम राहत की अर्जी मंजूर की। सयानी गुप्ता ने फिल्ममेकर विनीता नेगी के खिलाफ 9 करोड़ रुपये की मानहानि का मुकदमा दायर किया है। नेगी ने आरोप लगाया था कि सयानी गुप्ता की फिल्म में उनकी अधूरी डॉक्यूमेंट्री 'प्रभा' के कुछ अहम हिस्सों की नकल की गई है। कोर्ट ने नेगी और अन्य प्रतिवादियों को सयानी गुप्ता के खिलाफ मानहानिकारक कंटेंट प्रकाशित करने, प्रसारित करने या उसे आगे भी प्रकाशित करते रहने से रोक दिया है। इस अंतरिम राहत में मेटा, रेडिट और डेकन क्रॉनिकल जैसे प्लेटफॉर्म पर मौजूद कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने का निर्देश भी शामिल है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश का मतलब सच्चे तथ्यों पर आधारित जानकारी के प्रकाशन पर पूरी तरह रोक लगाना नहीं है।

सयानी गुप्ता की डायरेक्टोरियल डेब्यू शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' को लेकर विनीता नेगी ने कहानी चोरी, कॉपीराइट और धोखाधड़ी के आरोप लगाए। FTII की पूर्व छात्रा और फिल्ममेकर विनीता नेगी का दावा था कि वह डॉक्यूमेंट्री प्रभा बना रही हैं, लेकिन सयानी गुप्ता ने डायरेक्टोरियल डेब्यू शॉर्ट फिल्म आसमानी में उस डॉक्यूमेंट्री के सीन चोरी कर इस्तेमाल किए हैं। सयानी गुप्ता ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने आरोपों को झूठा, भ्रामक और बिना ठोस आधार वाला बताया। सयानी ने स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन में भी इसकी शिकायत की, लेकिन कार्रवाई होने से पहले ही विनीता ने सोशल मीडिया पर चोरी के आरोप लगाते हुए सयानी के खिलाफ बयान देना शुरू कर दिया।

कृति खरबंदा की रहस्यमयी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ ने बढ़ाई उत्सुकता

क्या होने वाला है कोई बड़ा ऐलान?

कृति खरबंदा ने अपनी हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज़ के जरिए फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अभिनेत्री ने एक के बाद एक कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि शायद वह जल्द ही किसी खास घोषणा की तैयारी में हैं। सबसे पहले कृति ने अपनी एक क्लोज़-अप सेल्फी साझा की है। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही है और उसके साथ एक लाल रंग की नोटबुक भी नजर आ रही है। इस तस्वीर पर लिखा है, 'कुछ खास पक रहा है '। फ़िलहाल इस दिलचस्प संदेश ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। इसी के साथ इस रहस्य को और गहरा करते हुए कृति ने एक और तस्वीर साझा की है, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह एक संदेश लिखा है, 'मैं अभी खुद पर काम कर रही हूँ।' इन साधारण से लगने वाले इन शब्दों ने भी कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है। हालांकि कृति ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि आखिर वह किस ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन उनकी स्टोरीज़ का क्रम यह जरूर संकेत दे रहा है कि उनके जीवन में कुछ नया होने वाला है। यह किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा हो सकती है, किसी पेशेवर उपलब्धि से जुड़ी खबर हो सकती है या फिर कुछ और खास। फिलहाल कृति के इन रहस्यमयी अपडेट्स ने फैंस को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है।

शहनाज से तुलना पर बोलीं लवप्रीत, मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है।

'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।' अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है। ने अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं? अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें। बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

एनआइए की कश्मीर में बड़ी कार्रवाई

सात ठिकानों पर तलाशी

एजेंसी

श्रीनगर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने शनिवार को कश्मीर में सात अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई सीमा पार से जुड़ी कथित आतंकी साजिश की चल रही जांच के तहत की गई।

अधिकारियों के अनुसार, एनआइए की टीमों ने कुलगाम में दो, बांदीपोरा में तीन और सोपोर में दो स्थानों पर तलाशी ली। अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों ने एनआइए की टीमों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। जांच में पाकिस्तान स्थित कथित आतंकी हैंडलर्स और स्थानीय ओवर-ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के नेटवर्क की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। इन लोगों पर कथित तौर पर सीमा पार से घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल और अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने का शक है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्थानीय स्तर पर आतंकियों को किस तरह की मदद उपलब्ध कराई गई और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका रही है। अधिकारी ने बताया कि यह मामला मूल रूप से श्रीनगर के जकूरा पुलिस स्टेशन में दर्ज ऋक्षक नंबर 0024/2026 से शुरू हुआ था। बाद में एनआइए ने मामले को अपने स्तर पर फिर से दर्ज करते हुए इसे आरसी - 02/2026/एनआईए/जम्मू के रूप में दर्ज किया। मामले में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 23, शस्त्र अधिनियम, 1959 की धाराओं 7 और 25 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 की धारा 4 के तहत आरोप लगाए गए हैं। फिलहाल, तलाशी अभियान के दौरान क्या-क्या सामान या दस्तावेज बरामद किए गए, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी और संभावित बरामदगी से जुड़ी जानकारी मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

असम के शोणितपुर जिले में ट्रक और ईको वाहन की टक्कर, पांच युवकों की मौत

एजेंसी

शोणितपुर। असम के शोणितपुर जिले में बालीपारा के समीप एक भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर टुबुकीझार स्थित मीट सप्लाई इलाके में हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक और ईको वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान संजय मेष, लाटुमनी (पापू) बोरा, नयन स्वर्गियारी, प्रांजल बनिया और हरबिंद (गोविंद) हाजोवारी के रूप में हुई है। सभी मृतक ओहनी पथार बटाबारी इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दोनों वाहन विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने ईको वाहन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको वाहन सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने लोगों की मदद से वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया।

दुर्घटनाग्रस्त ईको वाहन से कई शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं। हालांकि, इन बोतलों का हादसे से क्या संबंध है, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। तेज रफ्तार, वाहनों की स्थिति और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

न्यूज IN ब्रीफ

बबरगंज मर्डर से हड़कंप, एसएसपी ने संभाली कमान, संदिग्ध ठिकानों पर पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

भागलपुर। जिले के बबरगंज में हुए भाजपा नेता उमा भूषण तांती हत्याकांड में पुलिस ने आरोपियों की धड़पकड़ के लिए अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बीते 11 सितंबर को हुई इस वारदात के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने खुद कमान संभालते हुए घटनास्थल और पीड़ित के घर का दौरा किया। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।,इसके बाद उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में अब तक की गई छापामारी और कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर कई विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें मुख्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए उनके विभिन्न संभावित ठिकानों पर लगातार सघन छापामारी कर रही हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले में सभी आवश्यक कानूनी और विधिक कार्रवाई तेजी से पूरी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि इस हत्याकांड में केवल मुख्य अभियुक्त ही नहीं, बल्कि उन्हें शरण देने वाले, सहयोग करने वाले या किसी भी प्रकार की सहायता पहुंचाने वाले संदिग्ध लोग भी बख्शे नहीं जाएंगे। घटना के संदर्भ में ऐसे सभी संदिग्धों की भूमिका की बारीकी से जांच की जा रही है और संलिप्तता पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनंतनाग में 20 स्थानों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत पुलिस ने 13 संदिग्ध मादक पदार्थों के तस्करों को लिया हिरासत में

अनंतनाग। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ गहन कार्रवाई के तहत अनंतनाग पुलिस ने शनिवार को जिले के वाघामा क्षेत्र में 20 स्थानों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया। एक अधिकारी ने बताया कि समन्वित अभियान के दौरान 13 संदिग्ध मादक पदार्थों के तस्करों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल स्थानीय नेटवर्क की पहचान करना और उन्हें खत्म करना तथा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करना था। अधिकारी ने कहा कि सीएएसओ जिले में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल व्यक्तियों और नेटवर्क के खिलाफ चल रही निरंतर और खुफिया जानकारी पर आधारित कार्रवाई का हिस्सा था उन्होंने कहा कि अनंतनाग पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के व्यापार के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति को दोहराया है और मादक पदार्थों के खतरे को रोकने और युवाओं की सुरक्षा के लिए ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा।

नूनी पंचायत में पहली बार भाजपा का वर्चस्व, ऋतु बाउरी बनीं प्रधान

पश्चिम बर्दवान। बाराबनी विधानसभा क्षेत्र के नूनी पंचायत में नए प्रधान और उपप्रधान का चुनाव संपन्न हुआ। पंचायत के सभी सदस्यों की मौजूदगी में हुए चुनाव में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की ऋतु बाउरी को प्रधान और सीमा मंडल को उपप्रधान चुना गया। ऋतु बाउरी के प्रधान चुने जाने के बाद भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर बाराबनी के विधायक अरिजीत राय के पिता अमल राय ने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों से पंचायत में भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा और विकास कार्यों के बजाय कटमनी वसूली गई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद पहली बार नूनी पंचायत में भाजपा का प्रधान चुना गया है। अब पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। भाजपा जिला कमेटी के नेता उज्ज्वल धीवर ने कहा कि नूनी के लोगों के लिए यह बेहद खुशी का दिन है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ दिलाने के साथ-साथ पंचायत के विभिन्न इलाकों में सड़क और निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा। नवनिर्वाचित प्रधान ऋतु बाउरी ने कहा कि वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पंचायत के लोगों के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े व्यक्ति की समस्या हो, उसके समाधान के लिए प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में बाराबनी भाजपा मंडल-2 के नेता सोना बनर्जी सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

भागलपुर पुलिस की डायल-112 टीम ने दिखाई मानवता, सड़क हादसे में अचेत हुए व्यक्ति को सुरक्षित घर पहुँचाया

भागलपुर। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में काम कर रही डायल-112 की टीम ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। टीम ने शनिवार को सड़क दुर्घटना के बाद अचेत पड़े एक व्यक्ति को न सिर्फ प्राथमिक सहायता दी, बल्कि उन्हें सुरक्षित उनके घर तक पहुँचाया। पीड़ित व्यक्ति की पहचान संतोष कुमार (पिताः जगरनाथ प्रसाद) के रूप में हुई है, जो ज्योति विहार के रहने वाले हैं। वे अपनी मोटरसाइकिल से ज्योति विहार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक कुछ आवारा कुत्तों ने उनकी बाइक के पीछे दौड़ लगा दी। कुत्तों से बचने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वे पंजाब नेशनल बैंक के समीप सड़क पर गिर गए। सिर और शरीर में झटका लगने के कारण वे कुछ समय के लिए वहीं मौके पर ही अचेत हो गए। राहगीरों या स्थानीय सूचना के आधार पर डायल-112 की आपातकालीन टीम को जैसे ही मामले की जानकारी मिली, टीम बिना समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिसकर्मियों ने अचेतावस्था में मिले संतोष कुमार की स्थिति को संभाला। कुछ देर के प्रयास के बाद जब उन्हें होश आया, तो टीम ने उन्हें पानी पिलाया और उनकी स्थिति सामान्य की।

छपरा में वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

सारण । शहर के श्यामचक ओवरब्रिज के पास सुबह-सुबह नगर निगम के एक कचरा उठाने वाले वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक मासूमगंज निवासी जगदीश राय है।जानकारी के अनुसार जगदीश राय सुबह-सुबह अपने ग्राहकों को दूध देने जा रहे थे। इसी दौरान श्यामचक फ्लाईओवर के निचले लेन में यह दुर्घटना घटी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

करोड़ों बहाने के बाद भी नहीं बचा राघोपुर-काजीकोरैया तटबंध, सांसद ने उठाए सवाल

भागलपुर । जिले के नवगछिया अनुमंडल स्थित गोपालपुर प्रखंड के राघोपुर-काजीकोरैया जमींदारी तटबंध पर इस साल चलाया गया फ्लड फाइटिंग अभियान भारी विवादों में घिर गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा तटबंध की सुरक्षा के नाम पर पानी की तरह पैसा बहाने के बावजूद नतीजा 'ढाक के तीन पात' रहा। 24 अगस्त की रात को यह बांध टूट गया, और सितंबर की शुरूआत तक इसमें आई दरार बढ़कर 400 मीटर से ज्यादा हो गई है। करोड़ों रुपये की योजनाएं और संसाधन नदी में झोंकने के बाद भी बांध न बचने को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने विभाग और भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने शनिवार को एक विशेष प्रेस वार्ता कर इस पूरे अभियान के खर्च को सार्वजनिक करने और इसकी हाई-लेवल स्पेशल ऑडिट कराने की मांग की है। सांसद पप्पू यादव ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राघोपुर-काजीकोरैया तटबंध और आसपास का क्षेत्र लंबे समय से भारी बजट वाली योजनाओं का केंद्र रहा है, लेकिन इसका लाभ स्थानीय जनता को कभी नहीं मिला। वर्ष 2005-06 में ही इस क्षेत्र में स्थायी कटावरोधी कार्य के लिए लगभग 13 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। वर्ष 2006 से 2019 के बीच पूरे नवगछिया अनुमंडल में स्थायी कटावरोधी और फ्लड फाइटिंग कार्यों पर करीब 686 करोड़ रुपये खर्च होने का आधिकारिक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि इसी साल विभाग द्वारा करीब 5 करोड़ रुपये की नई योजना स्वीकृत की गई थी। इसके बावजूद जुलाई में पहले 110 मीटर का कटाव हुआ, और फिर अगस्त-सितंबर आते-आते पूरा बांध बह गया। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद ने सीधे तौर पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और संवेदकों की मिलीभगत पर सवाल दागे। उन्होंने कहा, ₹जब करोड़ों के संसाधन और फ्लड फाइटिंग सामग्रियां नदी में डाली जा रही थीं, तो यह बांध सुरक्षित क्यों नहीं रहा? क्या सारी योजनाएं सिर्फ कागजों पर ही तैर रही थीं? जनता के टैक्स के पैसे की इस तरह खुली लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मांग की कि इस पूरे फ्लड फाइटिंग अभियान में खर्च हुई भारी-भरकम राशि का एक-एक हिसाब सार्वजनिक किया जाए। तटबंध टूटने और दरार के 400 मीटर तक फैल जाने के कारण गंगा और सहायक नदियों का पानी तेजी से राघोपुर और गोपालपुर के निचले रिहायशी और कृषि इलाकों में प्रवेश कर गया है।

कार्रवाई के बीच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस के दो पदों से हटने की घोषणा की

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने अपने पूर्व ओएसडी के खिलाफ कथित नकदी और आभूषण बरामदगी से जुड़ी खबरों के बीच उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य पद से हटने की घोषणा की है। हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि टीवी पर देहरादून में उनके पीए के पास भारी मात्रा में नकदी और आभूषण बरामद होने की खबर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि मामले के वास्तविक तथ्यों का खुलासा आने वाले समय में होगा। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति जीना उनके ओएसडी रहे हैं और उन्होंने उनके विभिन्न पदों पर रहते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं।

उन्होंने कहा कि जीना उनके अनुसार सज्जन, विनम्र और काम करने वाले व्यक्ति रहे हैं। हालांकि, यदि ग्राम सेवकों की भर्ती में ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ अथवा इस तरह की कोई गलती किए जाने के प्रमाण सामने आते हैं तो वह ऐसे कृत्य के लिए लज्जित होंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें इस आरोप पर विश्वास नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के आगामी चुनाव में काफी कुछ दांव पर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं और ऐसे समय में उनके किसी कृत्य से पार्टी के संघर्ष को कोई कमजोरी नहीं आनी चाहिए। रावत ने कहा कि वह किसी सरकारी पद पर नहीं हैं, इसलिए उससे त्यागपत्र देने का सवाल नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी का सदस्य हूं और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति का स्थायी आमंत्रित सदस्य हूं।'उन्होंने कहा कि पार्टी के संघर्ष में उनकी वजह से कोई कमजोरी न आए, इसलिए वह इन दोनों पदों से हटना चाहते हैं। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से जुड़े विवाद का उल्लेख करते हुए हरीश रावत ने कहा कि आयोग का गठन राज्य के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में लोक सेवा आयोग को समय पर परीक्षाएं कराने के लिए बाध्य किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में भर्ती बोर्डों का गठन किया गया।

उन्होंने दावा किया कि उनके करीब तीन वर्ष के कार्यकाल में 42 हजार से अधिक सरकारी पदों पर भर्तियां हुईं। उन्होंने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति उनके पिछले सेवा रिकॉर्ड के आधार पर की गई थी और शिकायत मिलने के बाद उन्होंने संबंधित व्यक्ति को पद से हटाया अथवा उनसे इस्तीफा मांगा था। हरीश रावत ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा भविष्य में किस तरह का आचरण किया जाएगा, इसका अनुमान पहले से नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि यदि नियुक्तियों अथवा परीक्षाओं की प्रक्रिया के दौरान उनसे कोई ₹एरर ऑफ जजमेंट₹ हुआ है तो वह उत्तराखंड के लोगों से इसके लिए क्षमा मांगते हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्तियों और परीक्षाओं में गड़बड़ी राज्य की आने वाली पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि उनसे जाने-अनजाने में ऐसा कोई कृत्य हुआ है, जिससे राज्य के युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है तो वह स्वयं को इसके लिए दंड का पात्र मानते हैं। रावत ने सार्वजनिक अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास नियुक्तियों के मामलों में उनकी संलिप्तता या हस्तक्षेप के कोई प्रमाण हैं तो उन्हें सीबीआई, ईडी अथवा राज्य पुलिस को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उनसे कोई चूक हुई है तो कानून के अनुसार उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने बयान में पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी का भी उल्लेख किया और कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के संबंध में उन्हें खंडूरी से सलाह मिली थी। रावत ने कहा कि उन्होंने संबंधित व्यक्ति की नियुक्ति उनके पूर्व सेवा रिकॉर्ड के आधार पर की थी। हरीश रावत ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण दायित्व संभालने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रलोभनों से बचना चाहिए और नियुक्तियों एवं परीक्षाओं की पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

इजराइल-लेबनान वार्ता का अगला दौर वाशिंगटन में, रोम की बैठक अक्टूबर तक टली

वाशिंगटन । इजराइल-लेबनान के बीच जारी बातचीत के अगले दौर की तारीख और जगह में बदलाव किया गया है। रोम में अगले हफ्ते होने वाली बैठक अब अक्टूबर तक टाल दी गई है, जबकि दोनों देशों के राजदूत वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्रालय में मुलाकात करेंगे। इस बैठक में जून के फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने और इजराइली सेना की लेबनान से वापसी पर चर्चा होगी।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि बैठक में जून में हुए समझौते से जुड़े घटनाक्रम और उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। औपचारिक वार्ता का अगला दौर अब अक्टूबर में रोम में होने की संभावना है।

वहीं, इस मामले में एक सूत्र के मुताबिक, यहूदी धार्मिक छुट्टियों, लेबनानी सशस्त्र बलों के समर्थन में होने वाले पेरिस कॉन्फ्रेंस और संयुक्त राष्ट्र महासभा की तैयारियों के कारण प्रमुख प्रतिभागियों का अगले सप्ताह रोम में जुटना संभव नहीं था। वहीं, बैठक की योजना में बदलाव को लेकर अभी इजराइल या लेबनान की सरकार की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है।

इजराइल और लेबनान के बीच अप्रैल से अब तक सीधे बातचीत के सात दौर हो चुके हैं। इनमें पांच बैठकें वाशिंगटन और दो रोम में हुईं। छठे दौर की बातचीत में इजराइली सेना की वापसी शुरू करने के लिए दो ह्लपायलट क्षेत्रोंह्व की पहचान को लेकर शुरूआती सहमति बनी थी। प्रस्तावित फ्रेमवर्क के तहत लेबनानी सेना की तैनाती के बदले इजराइल को कब्जे वाले लेबनानी क्षेत्रों से चरणबद्ध तरीके से पीछे हटना है।

वार्ता में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब लेबनानी सेना ने बुधवार को दावा किया कि 26 जून को फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से इजराइल ने करीब 7,700 बार समझौते का उल्लंघन किया है। लेबनानी सेना ने चेतावनी दी कि लगातार हो रहे कथित उल्लंघन मौजूदा समझौतों और सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

फ्रेमवर्क समझौते में दक्षिणी लेबनान में लेबनानी सेना की तैनाती के साथ इजराइली सेना की क्रमिक वापसी का प्रावधान है। इसकी शुरूआत दो पायलट क्षेत्रों में एक मॉडल के तौर पर किए जाने की योजना है। इजराइल दक्षिणी लेबनान के कुछ क्षेत्रों में लंबे समय से मौजूद है, जबकि 2023-24 के युद्ध के बाद उसकी सैन्य मौजूदगी कुछ अन्य इलाकों में भी बढ़ी है। इस बीच, लेबनानी क्षेत्र में इजराइली हमले और सैन्य गतिविधियां जारी रहने से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

दूसरी ओर, लेबनानी रेजिस्टेंस ग्रुप हिज्बुल्लाह ने बातचीत का लगातार विरोध किया है और लेबनानी सरकार से वार्ता रोकने की अपील की है। ऐसे में अक्टूबर में प्रस्तावित रोम वार्ता से यह स्पष्ट होगा कि दोनों पक्ष फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने की दिशा में कितना आगे बढ़ पाते हैं।

बंगाल सीआईडी का दावा - अभिषेक के सहायक ने अपराध कबूल किया

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नीजी सुमित राय ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार किया है। शालबनी जमीन भ्रष्टाचार मामले में मेदिनीपुर जिला अदालत में दाखिल दस्तावेजों में सीआईडी ने यह चौंकाने वाला दावा किया है। सुमित राय को दो दिन पहले सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का दावा है कि पूछताछ के दौरान सुमित राय ने करोड़ों रुपये के लेन-देन में कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने की जानकारी दी है। सीआईडी के अनुसार, सुमित ने यह भी कहा है कि वह उक्त धनराशि की बरामदगी में जांच एजेंसी की मदद करेंगे। शालबनी जमीन भ्रष्टाचार मामले में मेदिनीपुर जिला अदालत ने सुमित राय को आठ दिनों की सीआईडी हिरासत में भेज दिया है। शुक्रवार सुबह भवानी भवन से सीआईडी की विशेष टीम कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें मेदिनीपुर लेकर पहुंची थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट से सुमित राय को मिली कानूनी सुरक्षा समाप्त हो गई थी।

नेपाल : बाढ़ से 14,455 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित, 396 छात्र और 21 शिक्षक अब भी लापता

काठमांडू । नेपाल के विनाशकारी बाढ़ का असर रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों की शिक्षा व्यवस्था पर भी पड़ा है। बाढ़ से तीनों जिलों में 14,455 से अधिक बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन तीन जिलों के 63 स्कूल बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, बाढ़ के बाद अभी भी 396 विद्यार्थी और 21 शिक्षक लापता हैं, जबकि 20 विद्यार्थियों और दो शिक्षकों के शव बरामद किए जा चुके हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा मौके पर किए गए अध्ययन के आधार पर तैयार शैक्षिक क्षति संबंधी रिपोर्ट के अनुसार प्रभावित 63 स्कूलों में 50 सामुदायिक, 11 निजी और दो धार्मिक विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों में कुल 14,455 विद्यार्थी पढ़ रहे थे। अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में अभी तक नियमित रूप से कक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं।

बाढ़ ने 12 शैक्षणिक संस्थानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। इनमें आठ सामुदायिक, तीन निजी और एक धार्मिक विद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा 11 स्कूलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इनमें छह सामुदायिक, चार निजी और एक धार्मिक विद्यालय हैं। 25 स्कूलों को ह्यहोल्डिंग सेंटरह्व के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इन केंद्रों में करीब 2,270 विस्थापित लोगों को रखा गया है। इसके कारण इन स्कूलों में भी फिलहाल पढ़ाई शुरू करना संभव नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, 15 स्कूल भवनों को सीधे तौर पर नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन मानवीय क्षति और अन्य परिस्थितियों के कारण वहां भी शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं हो पा रही हैं। शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता श्रीप्रसाद भट्टराई ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन से 23 शैक्षणिक संस्थान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 25 स्कूलों का इस्तेमाल विस्थापित नागरिकों के आश्रय स्थल के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन स्कूलों में तत्काल पढ़ाई शुरू करने की स्थिति नहीं है। विस्थापितों को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए स्थानीय निकायों के साथ समन्वय शुरू कर दिया गया है। तीनों जिलों में सबसे ज्यादा शैक्षिक नुकसान नुवाकोट में हुआ है। यहां 11 स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 16 स्कूलों को होल्डिंग सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एक अन्य स्कूल में भवन को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन शिक्षक और विद्यार्थियों की अनुपस्थिति के कारण पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नुवाकोट में कुल 6,315 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसी तरह धादिंग में आठ स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि दो स्कूलों को होल्डिंग सेंटर बनाया गया है। चार अन्य स्कूल पढ़ाई के लिए तैयार हैं, लेकिन विद्यार्थियों के स्कूल नहीं पहुंचने के कारण वहां भी कक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। धादिंग में इन सभी प्रभावित स्कूलों में कुल 5,066 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। रसुवा जिले में चार स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि सात स्कूलों में विस्थापित लोगों को रखा गया है। इसके अलावा 10 अन्य स्कूलों में भी विद्यार्थी नहीं पहुंच रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कुल मिलाकर रसुवा में 3,074 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। बाढ़ से हुई तबाही के बाद इन तीनों जिलों में शिक्षा व्यवस्था को सामान्य करने के लिए स्कूल भवनों की मरम्मत, विस्थापित परिवारों का पुनर्वास और लापता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की तलाश अब बड़ी चुनौती बनी हुई है।

टंडवा पुलिस हमला प्रकरण में पूर्व मुखिया समेत दो गिरफ्तार

चतरा: जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में मंगलवार को पुलिस टीम पर हुए हमला मामले में पुलिस ने मुख्य अभियुक्त डहु पंचायत के पूर्व मुखिया चूरामन उरांव(45 वर्ष) एवं अशोक महतो को गिरफ्तार कर लिया। आपको बताते चलें कि थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में ग्रामीणों ने पुरुष और महिला को प्रेम प्रसंग के आरोपों के बाद बंधक बना लिया था।मंगलवार को जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने बंधकों को छुड़ाने का प्रयास किया। इस क्रम में ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया था। पथराव में टंडवा थाना प्रभारी पप्पू शर्मा,सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने कांड संख्या 207/26 के तहत 37 नामजद और 300 से ऊपर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। टंडवा के पुलिस उपाधीक्षक प्रभात रंजन ने बताया कि घटना में शामिल अन्य लोगों की धरपकड़ के लिए छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

पलामू में 18 बालू घाटों की ई-नीलामी शुरू, 30 सितंबर को लगेगी बोली

अवैध बालू कारोबार पर शिकंजे और सरकारी राजस्व बढ़ाने की कवायद तेज, कैटेगरी-2 के घाट होंगे नीलाम

मेट्रोरेज संवाददाता

पलामू: जिले में बालू के अवैध कारोबार पर लगाम कसने और सरकारी राजस्व में बढ़ोतरी के लिए जिला प्रशासन ने बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। खान एवं भूतत्व विभाग के झारखंड सैंड माइनिंग रूल्स, 2025 (संशोधित) के तहत जिले के कैटेगरी-2 के 18 बालू घाटों एवं बालू घाट समूहों की ई-नीलामी की जाएगी। इसके लिए जिला खनन कार्यालय की ओर से अलग-अलग निविदा आमंत्रण सूचना जारी की गई है।

जारी सूचना के अनुसार ई-नीलामी की पूरी प्रक्रिया ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से झारखंड सरकार के निविदा पोर्टल पर संचालित होगी। इच्छुक कंपनी, फर्म अथवा एचयूएफ को बोली में शामिल होने के लिए पोर्टल पर निबंधन कराना अनिवार्य होगा। इन घाटों की पहचान जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (बालू) के तहत कैटेगरी-2 सैंड घाट, बालूयुक्त भूमि अथवा नदी-धारा के रूप में की गई है।

नीलामी के लिए चिह्नित घाटों में बरवईया, कबरा कलां, गुरतुरी-कुम्हराडीह, जैतुखांड, लालगढ़, मिसिर पतरा, बिरितिया-डंडार-कुम्हराडीह, परता, दंगवार, कोल्हुआ सोनबरसा, गोरहो, बरवाडीह-उकसु, मल्लाहटोली-जिंजिरा-तोलरा, मेराल, डेल्हा-बरकोमा-विशुनपुर, गांगी-लिधकी-ककतुआ, रामपुर-बोकेया खुर्द-बोकेया कला तथा सिंगराकला-सिंगरा खुर्द शामिल हैं।

निविदा दस्तावेज की बिक्री 10 सितंबर 2026 से दोपहर दो बजे से शुरू हो गई है। दस्तावेज शुल्क पांच हजार रुपये तथा जीएसटी निर्धारित है। अग्रधन राशि जमा करने और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम समय-सीमा 25 सितंबर दोपहर दो बजे तक निर्धारित की गई है। तकनीकी प्रक्रिया के बाद 30 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक ई-नीलामी होगी। जिला प्रशासन की इस पहल से एक ओर जहां बालू के अवैध उत्खनन और कारोबार पर अंकुश लगाने की उम्मीद है, वहीं वैध खनन व्यवस्था के जरिए सरकारी राजस्व बढ़ाने का रास्ता भी साफ होगा। घाटों का विस्तृत विवरण जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। पूरी जानकारी झारखंड के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त की जा सकती है।

सवर्ण समाज के हक और अधिकारों से जुड़े सवालों पर बैठक कल

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर: सवर्ण समाज के हितों और अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर अब संगठित संघर्ष की तैयारी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में 13 सितंबर, रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे त्रिपाठी इंटरनेशनल होटल,सद्दीक चौक, मेदिनीनगर में सवर्ण समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है।

बैठक में सवर्ण समाज के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर खुलकर और निर्णायक चर्चा होगी।साथ ही,समाज की आवाज को प्रमंडल स्तर पर बुलंद करने के लिए प्रमंडल स्तरीय प्रतिरोध कार्यक्रम आयोजित करने की रणनीति और रूपरेखा पर भी चर्चा की जाएगी।

बैठक में ओबीसी वर्ग से बाहर रहने वाले वैश्य समाज तथा मुस्लिम समुदाय के सामाजिक बंधुओं से भी शामिल होने का आग्रह किया गया है।आयोजकों का मानना है कि सामाजिक हितों से जुड़े सवालों पर व्यापक सहभागिता और सामूहिक आवाज जरूरी है।

सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी ने कहा कि अब केवल चर्चा और ज्ञापन से काम नहीं चलेगा।अपने अधिकार, सम्मान और हितों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर मैदान में उतरना होगा।उन्होंने कहा कि 13 सितंबर की बैठक आगे के संघर्ष की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने संबंधित समाज के लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में बैठक में पहुंचें,अपनी बात रखें और सामूहिक निर्णय का हिस्सा बनें।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दी एक करोड़ की सहायता राशि, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

पटना: बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी गई। लोक सेवक आवास स्थित संकल्प में आज बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की और 1 करोड़ रुपये का चेक सौंपा।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बैंक ऑफ बड़ौदा के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी।

जन समाधान दिवस में मिली शिकायत पर दो दिन में शुरू हुई कार्रवाई

लेस्लीगंज के ढेला गांव में खराब चापाकलों को दुरुस्त करने पहुंची पेयजल विभाग की टीम

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी मगर: जन समाधान दिवस में आमजनों द्वारा रखी गई समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को आयोजित जन समाधान दिवस में लेस्लीगंज प्रखंड के ढेला ग्राम से आए ओम प्रजापति, महेंद्र रजक समेत अन्य ग्रामीणों ने उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के समक्ष आवेदन देकर गांव में खराब पड़े तीन चापाकलों की समस्या से अवगत कराया था।ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों से तीनों चापाकल खराब पड़े हैं, जिसके कारण गांव की बड़ी आबादी को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से खराब चापाकलों को दुरुस्त कराते हुए पेयजल की समस्या का समाधान कराने का अनुरोध किया।मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने ग्रामीणों को शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इसके बाद शुक्रवार को पेयजल विभाग की टीम दल-बल के साथ ढेला गांव पहुंची और खराब पड़े चापाकलों को दुरुस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी।

व्यवहार न्यायालय परिसर में लगा रक्तदान शिविर, 43 यूनिट रक्त हुआ संग्रह

संवाददाता

चाईबासा: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के मार्गदर्शन में प्राधिकार के तत्वावधान में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन व्यवहार न्यायालय स्थित प्रतीक्षा कक्ष में आयोजित किया गया, ज्ञात हो कि
उपायुक्त मनीष कुमार के मार्गदर्शन में जिले भर में माह में दो बार नियमित रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसी क्रम में सदर अस्पताल चाईबासा के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में कुल 43 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर की विशेषता यह रही कि कई नए लोगों ने प्रथम बार रक्तदान कर प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया साथ ही जिला बार संघ का भी सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ, कई अधिवक्ता बंधुओं ने भी रक्तदान कर अपनी भागीदारी निश्चित की,
आज के इस रक्तदान शिविर में
सचिव डी एल एस ए रवि चौधरी और सिविल जज पूजा पांडे ने भी रक्तदान कर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया, साथ ही कई न्यायालय कर्मियों ने भी रक्तदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई, इस मौके पर सभी न्यायिक पदाधिकारीगण, सदर अस्पताल के उप सिविल सर्जन डॉ शिवचरण हांसदा, न्यायालय कर्मी और अधिकार मित्र भी उपस्थित थे, उपरोक्त जानकारी प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने दी। इस मौके पर सूर्य भूषण ओझा, प्रधान न्यायधीश,
पारिवारिक न्यायालय,
जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय पीयूष श्रीवास्तव , जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय संतोष आनंद प्रसाद और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अक्षत श्रीवास्तव ने भी शिविर में मुख्य रूप से उपस्थित होकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया।

ड्रग इंस्पेक्टर से मिले संगठन के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पवन अग्रवाल

संगठन के उद्देश्यों एवं दवा व्यवसायियों के हित में किए जा रहे कार्यों से ड्रग इंस्पेक्टर को कराया अवगत

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर: केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ऑगेर्नाइजेशन (झारखंड) के सम्मानित सदस्यों के साथ ड्रग इंस्पेक्टर से शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वार्ता की गई।
इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए संगठन के उद्देश्यों एवं दवा व्यवसायियों के हित में किए जा रहे कार्यों से ड्रग इंस्पेक्टर को अवगत कराया। साथ ही दवा व्यवसाय से जुड़े व्यावहारिक विषयों, नियमों के पालन तथा विभाग और दवा व्यवसायियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई।
वार्ता का मुख्य उद्देश्य आपसी संवाद को मजबूत करना, नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दवा व्यवसायियों की समस्याओं को सकारात्मक तरीके से विभाग के समक्ष रखना रहा। ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा भी सहयोगात्मक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया गया। संगठन का मानना है कि विभाग और दवा व्यवसायियों के बीच निरंतर संवाद एवं बेहतर समन्वय से आम जनता को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। इस मौके पर प्रदेश सचिव रमेश कुमार शुक्ला, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, सतीश तिवारी, रमाकांत पांडेय, रवीश तिवारी, गौरी शंकर मिश्रा, विकास उपाध्याय, पंकज अग्रवाल व अन्य उपस्थित रहे।
संगठन का संकल्प है– संवाद, सहयोग और समन्वय के माध्यम से दवा व्यवसायियों के हितों के साथ-साथ जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

बाढ़ के पानी का जलस्तर कम होने से खर- पतवार व घास-फूस के सड़न से जनजीवन अस्त व्यस्त

पटना: पटना एवं सारण जिले के दियारा का बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में अभी जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है । घास-फूस, खर पतवार के सड़ने से काफी ज्यादा परेशानी हो रही है। क्षेत्र के तथा सारण और पटना के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अभी तक इन बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा छिड़काव कार्य नहीं हुआ है। लापरवाही के कारण घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रह रहे लोग किसी भी तरह की महामारी का शिकार हो सकते हैं। सैकड़ो कर्मचारी हैं फिर भी जिलाधिकारी से इतनी बडी लापरवाही क्यों? कहीं जिलाधिकारी जनता को जंतु तो नहीं समझते हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि इतना बरा लापरवाही करने वाले जिलाधिकारी सारण/ पटना को जल्द से जल्द तबादला बिहार के छोटे जिला में की जाए ताकि कभी कोई जरूरतमंद लोगों किसी जिलाधिकारी के लापरवाही का शिकार ना हो पाए, बाढ़ राहत सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाने मै भी काफी लापरवाही की गई। इन जिलाधिकारी द्वारा और अब प्रभावित जनता के स्वास्थ्य के साथ हो रहा है,क्या बाढ़ प्रभावित इलाकों में महामारी फैल जाएगा तब छिड़काव कार्य होगा क्या? क्यों जिलाधिकारी की कोई जवाबदेह नहीं होती। पढ़-लिख कर जिलाधिकारी बने हैं तो इतना तो पता ही होगा कि एक जिलाधिकारी का क्या कर्तव्य होता है बाढ़ जैसे प्रकृति आपदा में फिर लापरवाही क्यों?

रंगे हाथ पकड़ा गया चोर , फरार साथियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम

संवाददाता

चतरा: जिले के मयूरहंड प्रखंड स्थित मंझगावां गांव में चोरी की लगातार घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने इटखोरी-हजारीबाग मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। दरअसल, गुरुवार देर रात रविंद्र सिंह के घर में चोरी के इरादे से घुसे एक चोर को ग्रामीणों ने सीसीटीवी की मदद से रंगे हाथ पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।पकड़े गए चोर ने पूछताछ में अपने साथियों के नाम उगले हैं। गांव में पहले भी कई बार चोरी हो चुकी है, जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने फरार आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़क पर उतरकर विरोध जताया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस इंस्पेक्टर और इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह मयूरहंड पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर और फरार चोरों की जल्द गिरफ्तारी का ठोस आश्वासन देकर जाम हटवाया। फिलहाल पुलिस ने पकड़े गए चोर को हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।